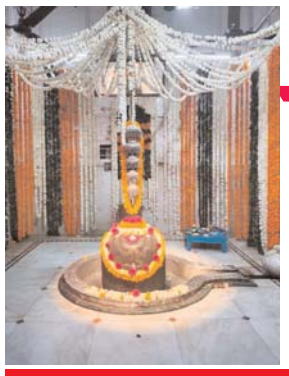

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 123 | ग्वालियर रविवार, 19 फरवरी 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

एक नजर

पाकिस्तान में फिर गिरेगी सरकार मरियम नवाज ने चाचा शहबाज के खिलाफ खोला मोर्चा

नई दिल्ली। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में एक बार फिर से सरकार गिरने के आसार नजर आ रहे हैं. शरीफ परिवार में बड़ी फूट पड़ती दिखाई दे रही है. शरीफ परिवार की सत्ताधारी पार्टी फूट से मुल्क में एक बार फिर से राजनीतिक संकट खड़ा हो सकता है. पूर्व पीएम नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज ने अपने ही चाचा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के खिलाफ मोर्चा खोला दिया है. बढ़ती महंगाई की मार झेल रहे शहबाज शरीफ के सामने अब अपनी सरकार बचाने की बड़ी चुनौती है. मरियम नवाज ने मौजूदा सरकार से खुद को अलग करने का ऐलान किया है. उन्होंने कहा, मौजूदा हुकूमत की नहीं है. उन्होंने कहा, हमारी हुकूमत तब होगी जब नवाज शरीफ पाकिस्तान में होंगे. अंदर खाने चर्चा है कि शहबाज शरीफ की जगह मरियम नवाज खुद प्रधानमंत्री बनना चाहती हैं. पाकिस्तान मीडिया में बड़ी चर्चा है कि परदे के पीछे शहबाज शरीफ के खिलाफ नवाज शरीफ के दामाद यानी मरियम के पति कैप्टन (रि) मो. सड़दर पार्टी में माहौल बना रहे हैं. सफदर ही शहबाज शरीफ को हटाकर पत्नी मरियम को पाकिस्तान का प्रधानमंत्री बनाने की मुहिम चला रहे हैं. पार्टी में इन दिनों बड़ी खींचतान देखने को मिल रही है. इससे पहले मरियम नवाज अपने ही पति से भिड़ गई थीं. उन्होंने अपने पति रिटायर्ड कैप्टन मोहम्मद सफदर पर पार्टी विरोधी बयान देने का आरोप लगाया है. मरियम नवाज ने अपने पति पर आरोप लगाया था कि वह पार्टी की प्रतिष्ठा खराब कर रहे हैं. मरियम ने कहा था, पार्टी का वोट को इज्जत दो नैरेटिव पहले बहुत मजबूत था. लेकिन जिस रोज पार्टी ने पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल कमर जावेद बाजवा का कार्यकाल बढ़ाने के पक्ष में मतदान किया था, उसी रोज उसने इस नैरेटिव की बेइज्जती कर दी थी.

राहुल का सोरोस कनेक्शन! भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए जॉर्ज के लोग

नई दिल्ली। अरबपति हंगरियन-अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरोस की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाए जाने के बाद, बीजेपी ने मामले के तार कांग्रेस से जुड़े हुए बताए हैं. हालांकि, कांग्रेस ने जॉर्ज सोरोस के बयान का समर्थन नहीं किया है. बीजेपी का आरोप है कि जॉर्ज सोरोस के लोग कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए थे. बीजेपी नेताओं ने ओपन सोसाइटी फाउंडेशन नाम के एक गैर-सरकारी संगठन का नाम लिया है. बीजेपी नेताओं का दावा है कि यह एनजीओ जॉर्ज सोरोस की ओर से वित्त पोषित है और इसके उपाध्यक्ष सलिल शेट्टी ने कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल हुए थे. बीजेपी प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शुक्रवार (17 फरवरी) को सलिल शेट्टी की तस्वीरें ट्वीट करते हुए लिखा, जॉर्ज सोरोस के भारत विरोधी दोषारोपण के खिलाफ भारत एकजुट है. एक राष्ट्र के रूप में हम इनके जैसे कमजोर बौने लोगों से निपटने में सक्षम हैं, ज्यादा चिंता की बात यह है कि उनके सहयोगी सलिल शेट्टी हैं जो जॉर्ज सोरोस की ओर से वित्त पोषित एक हूबहू के उपाध्यक्ष हैं, जो हाथ में हाथ डालकर भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी के साथ चले थे. भाटिया ने कांग्रेस और जॉर्ज सोरोस पर निशाना साधते हुए और भी ट्वीट किए. एक ट्वीट में उन्होंने राहुल गांधी को कठपुतली के रूप में दिखाया है, जिसमें उनकी कमान जॉर्ज सोरोस के हाथ में दिख रही है और कैप्शन में लिखा है, यह रिश्ता क्या कहलाता है। वहीं, बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने अपना एक वीडियो शुक्रवार (17 फरवरी) को ट्वीट किया, जिसमें वह जॉर्ज सोरोस मामले पर कांग्रेस के खिलाफ हमलावर दिखाई दे रहे हैं. उन्होंने कहा, जयराम रमेश और कांग्रेस का मासूमियत से अपना पल्ला जॉर्ज सोरोस के बयान से झाड़ने का जो प्रयास किया जा रहा है वो नहीं चल पाएगा क्योंकि जयराम रमेश जी आपको तो मूवी के टाइटल अच्छे लगते हैं, ये हम आपके हैं कौन नहीं, ये हम साथ-साथ है का परिचायक है. जिस प्रकार से प्रवीण चक्रवर्ती कोई छोटे-मोटे नेता नहीं, राहुल गांधी के खासम-खास ने जॉर्ज सोरोस के एजेंडे-प्रोपेगेंडा को ट्वीट करके उसको प्रोपेगेट करने का काम किया है. शहजाद पूनावाला के मुताबिक, जॉर्ज सोरोस अपने धन का इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों के लिए करते हैं.

आतंकी हमले के बाद रद्द होंगे पीएसएल के मुकाबले

शुक्रवार को पाकिस्तान के कराची शहर में आंतिकयों ने पुलिस हेड क्वॉटर को निशाना बनाया. जिसके बाद पुलिसकर्मियों और आतंकियों के बीच भीषण गोलीबारी हुई. इस गोलीबारी में 3 आंतकी समेत 4 अन्य लोग मारे गए. आतंकियों का यह हमला शुक्रवार शाम तकरीबन 7 बजकर 10 मिनट पर हुआ. दरअसल, जब यह हमला हुआ उस वक्त पाकिस्तान सुपर लीग की 2 टीमें क्वेटा ग्लैडिएटर्स और लाहौर कलंदर्स के खिलाड़ी कराची स्टेडियम में प्रैक्टिस कर रहे थे. बहरहाल, इस हमले के बाद सुरक्षा-व्यवस्था पर लगातार सवाल उठ रहे हैं. तो क्या पाकिस्तान सुपर लीग पर हमले का असर होगा। मिली जानकारी के मुताबिक, इस आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इमरजेंसी मीटिंग बुलाई. पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की इमरजेंसी मीटिंग में पाकिस्तान सुपर लीग में खेल रही टीमों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया. जिसके बाद इस बात के कयास लगने लगे कि पीएसएल को रद्द किया जा सकता है. अब इस पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष नजम सेठी ने बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि कराची पुलिस प्रमुख के कार्यालय पर शुक्रवार शाम हुए आतंकवादी हमले का पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के बाकी मैचों पर कोई असर नहीं पड़ेगा. नजम सेठी के मुताबिक, खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए राष्ट्रपति के स्तर की सुरक्षा व्यवस्था की गई है, खिलाड़ियों पर कोई खतरा नहीं है.

यूपी में मिशन 80 की तैयारी में जुटी बीजेपी, पार्टी का मेगा प्लान

नई दिल्ली। साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए सभी पार्टियों ने कमर तो कस ली है लेकिन देश की सबसे बड़ी पार्टी बीजेपी ने इसके लिए तैयारियां भी शुरू कर दी हैं. एक तरफ जहां विपक्षी पार्टियां इसी उधेड़बुन में लगी हैं कि किसके साथ गठबंधन करें और क्या विकल्प हो सकते हैं तो वहीं बीजेपी ने उत्तर प्रदेश में तेजी के साथ काम करना भी शुरू कर दिया है. ये तो पता ही है कि पार्टी ने राज्य के 2019 के चुनाव में हारी हुई सीटों को सेटल करने के लिए मंत्रियों को तैनात किया है. अब इसके अलावा खबर है कि पार्टी एक नई टीम का गठन करने जा रही है. टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के मुताबिक, ये टीम उत्तर प्रदेश में बीजेपी प्रमुख भूपेंद्र चौधरी के नेतृत्व में काम करेगी. ये टीम बदलाव के साथ काम करने वाली है. जिसमें 15 से 20 पदाधिकारियों के साथ-साथ कम से कम 4 से 6 क्षेत्रीय पार्टियों के प्रमुख शामिल होंगे. बीजेपी की ओर से लोकसभा की 66 सीटों पर मंत्री, पदाधिकारी और विस्तारकों को तैनात किया जाएगा. टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, इसके लिए एक सूची टॉप लेवल पर तैयार की जा रही है और इस प्रक्रिया में एक सप्ताह का समय लग सकता है.

बीजेपी के मीडिया विभाग में होगा बदलाव-इसी तरह भूपेंद्र सिंह चौधरी की टीम को भी इसी महीने तक तय कर लिया जाएगा. जिसकी जानकारी मीडिया के माध्यम से पार्टी समय आने पर दे देगी. इसके साथ ही पार्टी के मीडिया डिपार्टमेंट की ओवरहालिंग की

जाएगी. भले बीजेपी के पदाधिकारियों की संख्या 40 से 20 को भी पार न कर पाए लेकिन मीडिया विभाग में पूरी तरह से बदलाव देखने को मिल सकता है. पदाधिकारी स्तर पर कम बदलाव को लेकर पार्टी ने साफ किया कि जिस तरह से बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल आगे बढ़ा दिया गया, उसी तरह से यही नियम राज्य स्तर पर भी लागू होता है. इसी के साथ-साथ यूपी के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी के चुने जाने के बाद लोकसभा चुनाव तक चुनाव के माध्यम से अध्यक्ष को नहीं चुना जाएगा. जो पदाधिकारी अच्छा काम कर रहे हैं, उनको हटाने का कोई कारण भी नहीं दिखता है. वहीं, अगर गठबंधन की बात करें तो ओम प्रकाश राजभर की पार्टी एसबीएसपी की पार्टी के साथ लगभग ये डील फाइनल हो चुकी है और अनुप्रिया पटेल के अपना दल और संजय निषाद की निषाद पार्टी के साथ ये जारी रहेगा. राजभर की बात की जाए तो अगर सबकुछ ठीक ठाक चलता रहा तो उन्हें एक या दो लोकसभा सीट दी जा सकती हैं. दावा यहां तक किया जा रहा है कि राजभर के खाते में घोसी लोकसभा सीट आ सकती है.

मोदी-योगी की जोड़ी पर भरोसा-जिस तरह से पिछले साल विधानसभा चुनावों में मोदी-योगी हिट फैक्टर था, उसी तरह अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों में बीजेपी इस हिट जोड़ी को जमकर भुनाना चाहेगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में बीजेपी ने गुजरात में ऐतिहासिक जीत हासिल की, उसी तरह की उम्मीद बीजेपी लोकसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश में रख रही है. इसी के तहत पार्टी ने मिशन 80 का टारगेट रखा है. साल 2014 के चुनाव में 73 सीटें मिलीं तो साल 2019 के चुनाव में 62 सीटों से ही संतोष करना पड़ा था. मगर इस बार बीजेपी ने टारगेट बड़ा रखा है और इसकी तैयारियों में भी लग गई है.

तीन राज्यों की 116 सीटों में से 76 पर बढ़ी मोदी-शाह की टेंशन

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए अभी से ही सभी पार्टियां मैदान में उतर गई हैं. बीजेपी नीत एनडीए तीसरी बार सरकार बनाने के लिए जोर लगा रहा है तो कांग्रेस भी बीजेपी की हैट्रिक रोकने के लिए सियासी समीकरण बनाने में लगी है. इस बीच एक सर्वे सामने आया है जिसके आंकड़े तीन राज्यों की 116 सीटों में से 76 पर पीएम मोदी और अमित शाह की टेंशन बढ़ाने वाले हैं. सी वोटर और इंडिया टुडे ने हाल ही में मूड ऑफ द नेशन नाम का सर्वे किया था. सर्वे में देश भर से 1.39 लाख से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया था. सर्वे के अनुसार, अगर आज चुनाव होते हैं तो एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनेगी, लेकिन बीजेपी के लिए टेंशन की बात ये है कि इसी सर्वे में लोकसभा की 116 सीटें रखने वाले तीन राज्यों में यूपीए का मैजिक चलता दिख रहा है. ये तीन राज्य महाराष्ट्र, कर्नाटक और बिहार हैं. सबसे पहले बात महाराष्ट्र की, जो लोकसभा सीटों के हिसाब से यूपी के बाद दूसरे नंबर पर आता है. महाराष्ट्र में लोकसभा की 48 सीटें हैं. ताजा सर्वे के मुताबिक महाराष्ट्र में बीजेपी को झटका लगने वाला है. राज्य में लोकसभा चुनाव में यूपीए की सीटें 2019 के मुकाबले 2024 में छह गुना बढ़ने वाली हैं. 2019 के लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 सीटों में से 41 पर एनडीए ने कब्जा जमाया था. वहीं, यूपीए के खाते में सिर्फ 5 सीटें आई थीं. इसमें एनसीपी को 4 सीट जबकि एक सीट कांग्रेस को मिली थी. यहां, हमें ये ध्यान रखना होगा कि पिछले लोकसभा चुनाव में शिवसेना एनडीए के साथ थी लेकिन 2022 में फूट के बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में पार्टी का एक धड़ा एनडीए के साथ

है जबकि उद्धव ठाकरे गुट कांग्रेस के महाविकास आघाडी का हिस्सा है. राज्य में सत्ता के समीकरण बदलने का असर सीटों पर भी पड़ता दिख रहा है. ताजा सर्वे के अनुसार राज्य में 34 सीटें यूपीए को मिलती दिख रही हैं. इसके साथ ही यूपीए के वोट प्रतिशत में भी बढ़ोतरी हुई है. गठबंधन को 48 प्रतिशत वोट मिले हैं. बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं. 2019 में एनडीए ने क्लीन स्वीप करते हुए 39 सीटों पर पर कब्जा जमाया था और समूचा विपक्ष महज एक सीट पर सिमट गया था, जो कांग्रेस को मिली थी. बिहार में भी महाराष्ट्र की तरह ही समीकरण बदले हैं. पिछली बार नीतीश कुमार एनडीए का हिस्सा थे जबकि अब वे पाला बदलकर कांग्रेस और आरजेडी वाले महागठबंधन के साथ हैं. इसका असर लोकसभा की सीटों पर भी पड़ा है. सर्वे के अनुसार, यूपीए को पिछली बार की एक सीट के मुकाबले 25 सीट मिलने का अनुमान लगाया गया है. कर्नाटक भी उन राज्यों में है जहां पर 2019 के लोकसभा चुनाव में एनडीए ने अपना परचम लहराया था. राज्य की 28 लोकसभा सीटों में से 25 सीटें एनडीए के खाते में आई थी. विपक्ष को सिर्फ तीन सीटें मिली थीं. इसमें कांग्रेस और जेडीएस को एक-एक सीट जबकि एक निर्दलीय को जीत मिली थी.ताजा सर्वे कर्नाटक में भी यूपीए मैजिक की तरफ इशारा कर रहा है. सर्वे में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए को 17 सीट मिलती दिखाई गई है, जो पिछली बार से 15 ज्यादा है. कर्नाटक में यूपीए का वोट शेयर भी बढ़कर 43 प्रतिशत हो गया है. तीन राज्यों के आंकड़ों को मिलाएं तो यूपीए के खाते में 76 सीटें जा रही हैं. इतनी बड़ी संख्या में सीटों का जाना पीएम मोदी की टेंशन जरूर बढ़ाएगा. फिलहाल, ये सर्वे के नतीजे हैं, असल नतीजे चुनाव के बाद ही आएंगे.

पिछले तीन सर्वे में मोदी को कितनी सीटें

नई दिल्ली। देश में अगले लोकसभा चुनाव होने में करीब एक साल का ही वक्त बाकी रह गया है. सत्ताधारी बीजेपी गठबंधन हो या कांग्रेस समेत दूसरे विपक्षी दल, सभी ने मिशन मोड ऑन कर दिया है. 2024 के चुनाव के पहले सभी अपने पक्ष में समीकरण तैयार करने में जुटे हैं. इस बीच पिछले छह महीने में आए तीन सर्वे के जरिए समझने की कोशिश करते हैं कि जनता का मूड कैसा है. हाल ही में देश के चुनावी मूड को समझने के लिए सी वोटर और इंडिया टुडे ने एक सर्वे किया है. सर्वे के नतीजे के अनुसार, अगर आज चुनाव होते हैं तो देश में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनती दिखाई दे रही है. एनडीए को लोकसभा की 298 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है. इसी सर्वे में कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन को 153 सीट मिलती दिखाई गई है. अन्य के खाते में 92 सीटें जाती दिखाई दे रही हैं. जनवरी 2023 में आए सी वोटर के सर्वे में 298 सीटों की बात तो हम बता ही चुके हैं. अगस्त 2022 में भी सी वोटर ने एक ऐसा ही सर्वे किया था. छह महीने पहले किए गए इस सर्वे में मोदी की अगुवाई वाले एनडीए को 307 सीटें मिलती दिखाई गई थी. ऐसा ही एक सर्वे टाइम्स नाउ ने अगस्त 2022 में जारी किया था. टाइम्स नाउ के सर्वे में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को 291 से 312 सीटें मिलती दिखाई गई थी.

साथ लड़ें चुनाव, बीजेपी जाएगी 100 सीटों से नीचे

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एक बार फिर एकजुट विपक्ष की ताकत पर जोर देते हुए कांग्रेस से साथ आने और भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ चुनाव लड़ने का आग्रह किया है. सीएम नीतीश ने माकपा के 11वें आम सभा में बोलते हुए कहा कि मैं चाहता हूं कि कांग्रेस जल्द फैसला ले. अगर कांग्रेस मेरा सुझाव लेती है और साथ में चुनाव लड़ती है तो भाजपा 100 सीटों से नीचे आ जाएगी लेकिन अगर कांग्रेस मेरा सुझाव नहीं मानती है तो उन्हें पता है कि क्या होगा. सीएम नीतीश ने आगे कहा कि मैं कांग्रेस के फैसले का इंतजार कर रहा हूं कि उन्हें साथ मिलकर 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ना है या नहीं. बता दें कि कांग्रेस की तरफ से सलमान खुर्शीद ने माकपा की 11वीं आम सभा में भाग लिया. सभा में कांग्रेस नेता खुर्शीद ने कहा कि मैं कांग्रेस की तरफ से यहां पर आया हूं. पहले गुजरात मॉडल की खूब चर्चा होती थी लेकिन अब बिहार मॉडल की भी बात होनी चाहिए और मैं देश में हर जगह जाकर इस मॉडल का जिक्र जरूर करूंगा. बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी माकपा की 11वीं आम सभा में भाजपा को आड़े हाथों लिया. उन्होंने कहा, इस वक्त देश में अगर आप भाजपा के खिलाफ बोलेंगे तो आपके यहां छापा पड़ेगा या फिर आपको जेल भेज दिया जाएगा और अगर आप भाजपा के साथ हैं तो आपको हरिश्चंद्र कहा जाएगा. इससे मतलब नहीं है कि आपके ऊपर कितने दाग लगे हुए हैं, अगर आप भाजपा के साथ हैं तो सभी दाग वॉशिंग मशीन के अंदर धुल जाएंगे. तेजस्वी ने आगे कहा कि आप सब देश के संविधान को बचाने के लिए लड़ रहे हैं. इस मैं आपका शुक्रिया करना चाहता हूं. बीते गुरुवार को बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कहा था कि मुझे प्रधानमंत्री बनने की कोई इच्छा नहीं है. बल्कि मैं तो अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से भी मेरे लिए नारे लगाने से मना करता हूं. उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने भी सीएम नीतीश की प्रधानमंत्री न बनने की इच्छा का समर्थन किया था. उन्होंने कहा था कि हमारे दिग्गज नेता का ध्यान विपक्ष को आने वाले लोकसभा चुनाव में एक साथ लेकर आने पर है. नीतीश कुमार सीएम हैं और हम उनके मार्गदर्शन में काम कर रहे हैं. अभी उनका एकमात्र एजेंडा पूरे विपक्ष को एक साथ लेकर आने का है. साथ ही उनकी अभी पीएम बनने की कोई इच्छा नहीं है.

राज्यों को 5 साल का पूरा जीएसटी मुआवजा हुआ जारी

नई दिल्ली। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स यानी जीएसटी काउंसिल की 49वीं बैठक आज नई दिल्ली में पूरी हुई और इस जीएसटी काउंसिल की बैठक में कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई. वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में अपीलेट ट्रिब्यूनल के गठन के अलावा पान मसाला और गुटखा पर लगने वाले लत्स्र के ऊपर भी विचार-विमर्श हुआ. जीएसटी काउंसिल की 49वीं बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन के साथ वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, राज्यों के वित्त मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने जीएसटी काउंसिल की बैठक के बाद प्रेस-कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया जिसमें उन्होंने कहा कि राज्यों का बकाया 5 साल का पूरा जीएसटी मुआवजा या जीएसटी क्षतिपूर्ति रकम जारी की जा रही है. इसके तहत 16982 करोड़ रुपये जारी किए जाएंगे. जीएसटी काउंसिल की बैठक में इनके ऊपर फैसला हो गया है. दिल्ली, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक समेत कई राज्यों के जीएसटी मुआवजा को लेकर भी जानकारी दी गई. वित्त मंत्री ने साफ किया कि राज्यों के लिए इस रकम को जारी करने के बाद केंद्र सरकार पूरे पांच साल के लिए निर्धारित जीएसटी कंपनसेशन सेस को जारी कर देगी. इसको जीएसटी (राज्यों को कंपनसेशन), एक्ट 2017 के तहत तय किया गया था. वित्त मंत्री ने जानकारी दी कि पेंसिल शार्पनर पर जीएसटी का रेट 18 फीसदी से घटाकर 12

फीसदी किया जा रहा है. इस तरह अब आम जनता के लिए पेंसिल शार्पनर्स खरीदना सस्ता हो जाएगा. इसके अलावा लिक्विड गुड़ या तरल गुड़ (राब) पर भी जीएसटी रेट को घटाकर शून्य किया जा रहा है जो कि पहले 18 फीसदी था. अगर ये खुला बेचा जाता है तो इस पर शून्य फीसदी जीएसटी लगेगा जो कि पहले 18 फीसदी था. अगर ये लिक्विड गुड़ पैकेज्ड या लेबल्ड तरीके से बेचा जाता है तो इस पर 5 फीसदी जीएसटी लगेगा. इस तरह तरल गुड़ की खुदरा बिक्री पर जीएसटी खत्म कर दिया गया है. इसके साथ ही वित्त मंत्री ने एलान किया कि ड्यूरेबल कंटेनर पर लगे टैग्स ट्रैकिंग डिवाइसेज और इनके अलावा डेटा लॉगर्स पर भी जीएसटी घटाया गया है. इसे 18 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया गया है. हालांकि इसमें कुछ शर्तों का लागू होना आवश्यक है. पान मसाला और गुटखे पर जीओएम पर सिफारिशें मंजूर की गई हैं. पान मसाला और गुटखा पर कैपेसिटी बेस्ड टैक्सेशन लागू होगा यानी उत्पादन के हिसाब से इन पर जीएसटी लगाया जाएगा. कैपेसिटी बेस्ड टैक्सेशन और सख्त अनुपालन लागू करने का फैसला लिया गया है. वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कहा कि मंत्रियों के दो समूह (ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स) की रिपोर्ट्स को मान लिया गया है. इनको इस तथ्य के साथ माना गया है कि इसमें आगे मामूली संशोधन किए जा सकते हैं. इनसे जुड़े संबंधित बिलों की भाषा में मामूली बदलाव किए जाने की संभावना को भी माना गया है.

भाजयुमो जिला कार्यसमिति सह प्रशिक्षण कार्यक्रम गरियाबंद भूतेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में हुआ संपन्न पार्टी कार्यक्रमों की समीक्षा

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद। भारतीय जनता युवा मोर्चा गरियाबंद की जिला कार्यसमिति सह प्रशिक्षण कार्यक्रम भूतेश्वरनाथ महादेव मंदिर प्रांगण स्थित सामुदायिक भवन में गुरुवार को सम्पन्न हुई। जिसमें प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं किसान मोर्चा प्रभारी संदीप शर्मा, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रभारी रितेश मोहरे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संदीप तिवारी, नंदिनी नेताम, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं भाजयुमो जिलाध्यक्ष योगीराज माखन कश्यप, महामंत्री युगल समदरिया, थानेश्वर कंवर मौजूद थे।

भाजयुमो जिला कार्यसमिति सह प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम सत्र को भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं किसान मोर्चा प्रभारी संदीप शर्मा ने व्यक्तित्व विकास एवं भाजपा का इतिहास विषय पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत जानकारी दी इस दौरान उन्होंने भाजयुमो कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि समयबद्ध तरीके से कार्य करें पार्टी की रीति-नीति को ग्रहण कर अपने व्यक्तित्व को मजबूत बनाएं कहा कि व्यक्तित्व निखार के लिए ज्ञान अर्जित करना जरूरी है आंतरिक एवं बाह्य गुण को बेहतर बनाए, जो कि व्यक्तित्व को बताता है उन्होंने कहा कि अच्छा वक्ता बनने के लिए सुनना जरूरी है इसके लिए आत्मा और मन को अच्छा रखना आवश्यक है कहा कि राजनीति सेवा का क्षेत्र है जनता की सेवा के लिए है। भाजयुमो कार्यकर्ताओं को कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव 2023 के लिए अभी से कमर कस लें पार्टी कार्यक्रमों को बूथ स्तर पर जाकर निष्ठापूर्वक कार्य करें। द्वितीय सत्र में भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रभारी रितेश मोहरे ने कामकाजी विषय को लेकर बैठक ली जिसमें युवा मोर्चा द्वारा पूर्व में किए गए पार्टी कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। वहीं आगामी पार्टी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई इस दौरान उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा पार्टी की रीड़ है युवा मोर्चा के प्रत्येक कार्यकर्ताओं को स्वप्रेरणा से पार्टी हित को लेकर कार्य करना होगा स्वप्रेरणा से काम करना ही व्यक्तित्व विकास है। कहा कि विधानसभा चुनाव के लिए अब समय बहुत कम है पार्टी कार्यक्रमों को इमानदारी के साथ मंडल, बूथ एवं शक्ति केंद्रों में जाकर करें। नए मतदाताओं को जोड़ने का काम करें। कहा कि केंद्र सरकार की उपलब्धियों और राज्य की कांग्रेस सरकार की नाकामियों को बताए। स्थानीय मुद्दों को लेकर युवा मोर्चा आवाज बुलंद करें। भाजयुमो जिला कार्यसमिति सह प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं भाजयुमो जिलाध्यक्ष योगीराज माखन कश्यप ने की। उन्होंने प्रदेश भाजपा शीर्ष नेतृत्व के आव्हान पर युवा मोर्चा द्वारा किए गए कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी युवा मोर्चा के प्रत्येक सदस्य को 1 बूथ 20 यूथ कार्यक्रम को सफल बनाकर स्थानीय मुद्दे पर एक जुट होकर लड़ने की आवश्यकता है बताया जनमानस तक जाना हमारा कार्य है कांग्रेस सरकार की विफलता 15 साल की भाजपा शासन में किये गए कार्य की उपलब्धियों सहित 8 साल मोदी सरकार के जन हितेषी योजना को लोगो तक ले जाने के लिए आह्वाहन किये। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अभिमन्यु ध्रुव,भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष रिकेश साहू, तोरण सागर, जिला मंत्री प्रतीक तिवारी, प्रेमलाल टोंडर, घनश्याम मरकाम, कोषाध्यक्ष वंश गोपाल सिन्हा, वीरेंद्र साहू, थानसिंह निषाद, हरिशंकर मांझी संजू निर्मलकर आकाश राजपूत, मंडल अध्यक्षद्वय आनंद ठाकुर, मोहनीश ठाकुर, मंडल महामंत्री राज ड़े, राजा साहू, मोहित साहू,यश कहार, रूपसिंग मरकाम,सहित बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गोपालपुर थाना प्रभारी बनी कुसुम गोयल

अनिल कुशवाह प्रभारी
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी। खबर शिवपुरी जिले के बैराड़ तहसील अंतर्गत आने वाले गोपालपुर थाना क्षेत्र की है जहां पर सब इंस्पेक्टर कुसुम गोयल को थाना प्रभारी नियुक्त किया गया है गोपालपुर थाना प्रभारी रहे कुलदीप सगर को जिला पुलिस मुख्यालय में शिकायत शाखा प्रभारी बनाया गया है 2016-17 बैच से एसआई बनी कुसुम गोयल देवास ओर अन्य थानों पर रही कुसुम गोयल दिसंबर 2022 में शिवपुरी आई थी जहां से उनको बैराड़ थाना पर एसआई के पद पर पदस्थ किया था हाल ही में उनको गोपालपुर थाना प्रभारी नियुक्त कर दिया गया है।

भाजयुमो जिला कार्यसमिति सह प्रशिक्षण कार्यक्रम गरियाबंद भूतेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में हुआ संपन्न पार्टी कार्यक्रमों की समीक्षा

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद। भारतीय जनता युवा मोर्चा गरियाबंद की जिला कार्यसमिति सह प्रशिक्षण कार्यक्रम भूतेश्वरनाथ महादेव मंदिर प्रांगण स्थित सामुदायिक भवन में गुरुवार को सम्पन्न हुई। जिसमें प्रमुख रूप से भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं किसान मोर्चा प्रभारी संदीप शर्मा, भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रभारी रितेश मोहरे, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संदीप तिवारी, नंदिनी नेताम, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं भाजयुमो जिलाध्यक्ष योगीराज माखन कश्यप, महामंत्री युगल समदरिया, थानेश्वर कंवर मौजूद थे।

भाजयुमो जिला कार्यसमिति सह प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम सत्र को भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं किसान मोर्चा प्रभारी संदीप शर्मा ने व्यक्तित्व विकास एवं भाजपा का इतिहास विषय पर प्रकाश डालते हुए विस्तृत जानकारी दी इस दौरान उन्होंने भाजयुमो कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि समयबद्ध तरीके से कार्य करें पार्टी की रीति-नीति को ग्रहण कर अपने व्यक्तित्व को मजबूत बनाएं कहा कि व्यक्तित्व निखार के लिए ज्ञान अर्जित करना जरूरी है आंतरिक एवं बाह्य गुण को बेहतर बनाए, जो कि व्यक्तित्व को बताता है उन्होंने कहा कि अच्छा वक्ता बनने के लिए सुनना जरूरी है इसके लिए आत्मा और मन को अच्छा रखना आवश्यक है कहा कि राजनीति सेवा का क्षेत्र है जनता की सेवा के लिए है। भाजयुमो कार्यकर्ताओं को कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव 2023 के लिए अभी से कमर कस लें पार्टी कार्यक्रमों को बूथ स्तर पर जाकर निष्ठापूर्वक कार्य करें। द्वितीय सत्र में भाजयुमो प्रदेश उपाध्यक्ष एवं प्रभारी रितेश मोहरे ने कामकाजी विषय को लेकर बैठक ली जिसमें युवा मोर्चा द्वारा पूर्व में किए गए पार्टी कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। वहीं आगामी पार्टी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई इस दौरान उन्होंने कहा कि युवा मोर्चा पार्टी की री? है युवा मोर्चा के प्रत्येक कार्यकर्ताओं को स्वप्रेरणा से पार्टी हित को लेकर कार्य करना होगा स्वप्रेरणा से काम करना ही व्यक्तित्व विकास है। कहा कि विधानसभा चुनाव के लिए अब समय बहुत कम है पार्टी कार्यक्रमों को इमानदारी के साथ मंडल, बूथ एवं शक्ति केंद्रों में जाकर करें। नए मतदाताओं को जोड़ने का काम करें। कहा कि केंद्र सरकार की उपलब्धियों और राज्य की कांग्रेस सरकार की नाकामियों को बताए। स्थानीय मुद्दों को लेकर युवा मोर्चा आवाज बुलंद करें। भाजयुमो जिला कार्यसमिति सह प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं भाजयुमो जिलाध्यक्ष योगीराज माखन कश्यप ने की। उन्होंने प्रदेश भाजपा शीर्ष नेतृत्व के आव्हान पर युवा मोर्चा द्वारा किए गए कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी युवा मोर्चा के प्रत्येक सदस्य को 1 बूथ 20 यूथ कार्यक्रम को सफल बनाकर स्थानीय मुद्दे पर एक जुट होकर लड़ने की आवश्यकता है बताया जनमानस तक जाना हमारा कार्य है कांग्रेस सरकार की विफलता 15 साल की भाजपा शासन में किये गए कार्य की उपलब्धियों सहित 8 साल मोदी सरकार के जन हितेषी योजना को लोगो तक ले जाने के लिए आह्वाहन किये। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अभिमन्यु ध्रुव, भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष रिकेश साहू, तोरण सागर, जिला मंत्री प्रतीक तिवारी,प्रेमलाल टोंडर, घनश्याम मरकाम, कोषाध्यक्ष वंश गोपाल सिन्हा, वीरेंद्र साहू, थानसिंह निषाद, हरिशंकर मांझी संजू निर्मलकर आकाश राजपूत, मंडल अध्यक्षद्वय आनंद ठाकुर, मोहनीश ठाकुर, मंडल महामंत्री राजे, राजा साहू, मोहित साहू, यश कहार, रूपसिंग मरकाम, सहित बड़ी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भूत प्रेत बने बाराती भोले की आई बारात

जागेश्वर धाम गूंज उठा बम बम भोले के जयकारों से, दुल्हन कि तरह सजा महादेव का मंदिर

रीतेश अवस्थी
पुष्पांजली टुडे

दमोह। महाशिवरात्रि के दिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु बांदकपुर धाम पहुंचें। प्रदेश के कई जिलों से आए श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ के दर्शन किए। भगवान भोलेनाथ के दर्शनों के लिए सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। देर शाम तक भक्तों की संख्या लाखों में पहुंच गई। महाशिवरात्रि के दिन भोले के भक्तों में भोलेनाथ के प्रति आस्था का जनसैलाब देखते ही बनता है, बम बम भोले के नारों के साथ दूरदराज से लोग पवित्र क्षेत्र बांदकपुर धाम पहुंचते हैं एवं पिछले एक सप्ताह से कांवरियों का जत्था बांदकपुर धाम के लिए पैदल यात्रा कर रहा हैं जिसका क्रम मध्य रात्रि तक चला। दमोह शहर के भोले भक्त भी टोली बनाकर शिवरात्रि की पूर्व संध्या पर पैदल बांदकपुर पहुंचे एवं भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। ऐसी मान्यता है कि भगवान शिव का यह शिवलिंग स्वयंभू है जो जमीन से स्वयं प्रकट हुआ था और कहा जाता है कि भगवान शिव का यह शिवलिंग हर साल तिल के एक दाने के बराबर बढ़ता है। स्थानीय लोगो ने बताया कि 1711 में दीवान बालाजीराव चांदोरकर जो एक राजा थे वह कहीं जा रहे थे रात अधिक हो जाने के कारण उन्हें रात्रि में विश्राम करने के लिए बांदकपुर में रुकना पड़ा । रात्रि के समय उन्हें एक सपना आया कि जहां तुमने अपना घोडा बांधा है वहां एक शिवलिंग है, तब दीवान बालाजी राव ने उस स्थान पर खुदाई कराई तो शिवलिंग स्वयं प्रकट हो गया और लगभग 40-50 खुदाई करने पर जब शिवलिंग का अंतिम छोर नहीं मिला तो उस स्थान पर बालाजी राव ने मन्दिर का निर्माण करवा दिया । यह मंदिर करीब 300 साल से अधिक पुराना होने के कारण भक्तों की आस्था का केंद्र भी है ऐसी मान्यता है अगर किसी भक्त की कोई मनोकामना होती है तो वह मंदिर की दीवाल पर अपने उल्टे हाथ के निशान लगाता है एवं मनोकामना पूर्ण होने पर उसे सीधे हाथ लगाता पड़ता है उसके बाद पूजन अर्चन किया जाता है ऐसा करने वाले समस्त भक्तों का रिकॉर्ड मंदिर में किया जाता है जो कभी भी मन्दिर से प्राप्त किया जा सकता है ।महाशिवरात्रि पर इस मंदिर की एक विशेषता है कि भोलेनाथ के मंदिर पर लगे झंडे और माता पार्वती के मंदिर पर लगे झंडे एक हो जाते हैं ,जो अपने आप में एक चमत्कार है जिसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग आते हैं ।प्राप्त जानकारी के अनुसार देर शाम तक 4 लाख से अधिक भक्तों ने भोलेनाथ के दर्शन कर पुण्य लाभ लिया ।

शहर से भी निकली भोलेनाथ की बारातें भूत प्रेत नंदी गढ़ हुए शामिल-शहर के प्रसिद्ध क्षेत्र जटाशंकर मंदिर से भोलेनाथ की बारात शहर के प्रमुख चौराहों से निकाली गई।यह बारात जटाशंकर मंदिर के पुजारी पंडित मोनू पाठक के सानिध्य में लगभग 23 वर्षों से निकाली जा रही है ,जिसमें बड़ी संख्या में भोले के भक्त डीजे ,बैंड बाजों की धुन पर नाच गाकर शामिल होते है तो वहीं बड़ी संख्या में महिलाओ एवं बच्चों में महाशिवरात्रि पर्व पर भोलेनाथ के प्रति आस्था दिखाई देती है और इस यात्रा में शामिल होकर वह सभी पुण्य लाभ लेते हैं । शहर के अन्य क्षेत्रों पुराना थाना, तीनगुल्ली चौराहा से भी भोले के भक्त बारात लेकर बांदकपुर धाम पहुंचे। भक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए मन्दिर कमेटी एवं शासन प्रशासन के द्वारा संपूर्ण व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखी गई।

रामेंद्र सिंह को पीएचडी की उपाधि मिली

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । वाटर वर्क्स लक्ष्मी नगर निवासी राम सिंह सिंगर को पीएचडी की उपाधि मिली है। बाल स्वास्थ्य की स्थिति तथा समस्याओं का अध्ययन किया उपाधि में विशेष सहयोगी डॉ एन एन अवस्थी,डॉ अजय चौरे का विशेष सहयोग रहा। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट में समाजिक कार्य पर किया। सहयोग श्रीमती कृष्णा सेंगर माताजी पिताजी लाखन सिंह सेंगर सिंह ने कहा डॉ अजय चौबे के कुशल निर्देशन में कार्य की प्रगतिशील उनके मार्गदर्शन में ज्ञान प्राप्त हुआ है। सर्व समाज ने शुभकामनाएं प्रेषित की। क्षत्रिय महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष शशिभूषण सिंह चौहान,प्रमोद श्रीवास्तव,ज्योति सिंह,धर्मवीर सिंह भदौरिया, श्रीमती अभिलाषा सिंह भदौरिया, राजकिशोर श्रीवास्तव, शिल्पी श्रीवास्तव,क्षत्रिय महासभा महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष,श्रीमती गुँजन चौहान,श्रीमती रजनी चौहान,पवन चौहान सिंहआदि लोगों ने शुभकामनाएं दी।

शादी में डी.जे पर मनमर्जी का गाना नही बजाने पर चाकू से किया जानलेवा हमला

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। नगर दबोह में शुक्रवार की रात शादी में डी.जे पर मनमर्जी का गाना नही बजाने पर चाकुओ से जानलेवा हमला किया जिससे दो लोग घायल हो गए जिनमे एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही हैं।दबोह पुलिस ने फरियादी जी रिपोर्ट पर धारा 307,324,294 मामला दर्ज कर बिबेचना में ले लिया है।जानकारी के लिए बता दे की फरियादी अजय सोनी पुत्र राममिलन सोनी उम्र 29 साल निवासी बार्ड के 06 कटरा मोहल्ला दबोह ने मय रवि सोनी,दीपक सोनी के उपस्थित थाना आकर जुबानी रिपोर्ट की आज दिनांक 18.02.2023 के समय करीबन रात्रि 02.00 बजे की बात है मेरे चाचा गोविंद सोनी के लड़के आशीष सोनी की शादी थी जिसका कार्यक्रम गहोई धर्मशाला दबोह मे चल रहा था उसी मे ग्राम बिजपुर का अरूण बघेल पुत्र राजेन्द्र बघेल निवासी बिजपुर आया और डी.जे.पर अपनी मर्जी का गाना बजाने के ऊपर से मुझे माँ बहन की गंदी गंदी गालियाँ देने लगा मैने गाली देने से मना किया तभी अरूण बघेल ने अपनी पेट की दाहिनी जेब से चाकू निकाल कर मुझे मारा जो मेरे बायें हाथ की कलाई मे लगा छीलन होकर खून निकल आया मेरे मामा रामजी सोनी निवासी भाण्डेर के मेरे पास खड़े थे उन्होने मुझे बचाने के लिये उसे पकड़ा सोई अरुण बघेल ने मामा रामजी को जान से मारने की नियत से चाकू मारा जो उनके पेट के दाहिनी तरफ घुस कर फस गया ओर वह जमीन पर गिर गए ड़र खून निकलने लगा। पुलिस आनन फानन में घायलों को लहार अस्पताल भेजा जहां से एक घायल को ग्वालियर रिफर किया गया फिलहाल दबोह पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

इनका कहना-फरियादी के द्वारा बताई गई जानकारी के अनुसार धारा 307,324,294 के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा रहा है।

संजीव तिवारी
थाना निरीक्षक दबोह

पुष्पगुच्छ भेंट आशीर्वाद प्राप्त किया

हाउसिंग बोर्ड एवं अधोसंरचना मध्यप्रदेश चेयरमैन आशुतोष तिवारी जी का भोपाल स्थित बंगले पर पहुंचकर समाजसेवी श्यामू ठाकुर ने आत्मीय मुलाकात की वही पुष्पगुच्छ भेंट कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया वहीं नगर की छुटपुट समस्याओं के बारे में अवगत भी कराया श्री आशुतोष तिवारी ने श्यामू ठाकुर के द्वारा किए जाने वाले प्रशंसनीय कार्यों को लेकर भूरी भूरी प्रशंसा की वही उनके इन कार्यों को नियंत्रण रखने के लिए हर संभव मदद करने का आश्वासन भी दिया।

स्थानीय समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने प्रेस वार्ता में साधा निशाना,दी आंदोलन की चेतावनी

स्थानीय पुलिस प्रशासन,विधुत विभाग व राजस्व विभाग पर कॉंग्रेस ने लगाए आरोप

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह। शनिवार दोपहर को नगर कॉंग्रेस कमेटी ने एक प्रेस वार्ता आयोजित की जिसमे स्थानीय पुलिस प्रशासन समेत विधुत विभाग व राजस्व विभाग के खिलाफ निशाना साधा।प्रेसवार्ता का आयोजन प्रदेश महामंत्री शिवनारायण दुबे बल्लू वकील के नेतृत्व में किया गया।सबसे पहले प्रदेश महामंत्री शिवनारायण दुबे ने स्थानीय पुलिस प्रशासन पर जमकर निशाना साधा।उन्होंने कहा कि थाना प्रभारी दबोह से अगर कोई कॉंग्रेस नेता मिलने जाते हैं तो वह उनको कोई तवज्जों नही देते हैं फिर चाहे वह नगर पालिका के अध्यक्ष,उपाध्यक्ष हो या विधायक प्रतिनिधि हो या फिर पार्षदगण हो।वह हम लोगो के साथ दुर्व्यवहार भी करते हैं।साथ वह कहते हैं कि टीआई राजकुमार ने जिस तरह से जूते लगाए थे लोगो मे हम भी वैसे ही जूते लगाकर जाना चाहते हैं।उन्होंने कहा कि एसपी साहब से भी हमने शिकायत की है उन्होंने कहा कि हम जांच कराएंगे।

पाठक धौरका वाले चला रहे दबोह थाना-शिवनारायण दुबे- प्रदेश महामंत्री शिवनारायण दुबे ने दबोह थाना पुलिस की कार्यप्रणाली पर संगीन आरोप लगाते हुए कहा कि दबोह थाने को टीआई व सिपाही की जगह दलाल चलाते हैं।उन्होंने प्रेसवार्ता में खुलकर बोलते हुए कहा कि दबोह थाने को जीतू पाठक धौरका वाले चला रहे हैं।जबकि टीआई दबोह को तो हमने आज तक सड़को पर देखा।वह अपने ऑफिस से कभी बाहर ही नही निकलते हैं।वहीं क्षेत्र में रेत के अवैध परिवहन को लेकर उन्होने कहा कि थाना दबोह की देखरेख में रेत का अवैध व्यापार नगर में फलफूल रहा है साथ ही उन्होंने रेत के परिवहन को लेकर थाना

प्रभारी पर लेनदेन का भी आरोप लगाया।इसी क्रम में उन्होंने नगर की चौपट विधुत व्यवस्था को लेकर निशाना साधते हुए कहा कि नगर में आये दिन मेंटिनेंस के नाम पर विधुत कटौती की जा रही है।जो कि पूर्ण रूप से गलत है।बच्चों की परीक्षा सिर पर हैं और विधुत विभाग का इस तरह रोजाना मेंटिनेंस के नाम पर विधुत कटौती करना गलत है।वहीं उन्होंने राजस्व विभाग पर हल्ला बोलते हुए कहा कि नायब तहसीलदार महोदय कभी भी तहसील कार्यालय पर नही बैठते हैं कभी वह विश्राम गृह तो कभी अपने रिश्तेदारों के घर बैठकर राजस्व विभाग के काम करते हैं उन्होंने कहा कि शासन ने उन्हें जनता के लिए नियुक्त किया है तो अपने कार्यालय पर बैठें और जनता को सेवाएं दें।

मांगे पूरी न होने पर दी आंदोलन की चेतवानी,नगर अध्यक्ष बोले करेंगे मुँह काला-वहीं स्थानीय पुलिस प्रशासन,विधुत विभाग व राजस्व विभाग पर निशाना साधते हुए नगर अध्यक्ष रूपनारायण खटीक ने कहा कि अगर विधुत विभाग अपनी व्यवस्थाओ में 01 मार्च तक सुधार नही लाता है तो उसके बाद कॉंग्रेस पार्टी बड़ा आंदोलन करेंगी और अगर जरूरत पड़ी तो मुंह काला कर बाजार में घुमाने की बात कह डाली।वहीं उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग पटवारी द्वारा नगर में भारी भ्रस्टाचार किया जाता है और हितग्राहियों को परेशान किया जाता है।

यह रहे मौजूद-इस दौरान नगर परिषद उपाध्यक्ष चौधरी हाकिम सिंह,पूर्व विधायक प्रतिनिधि राजेन्द्र खेमरिया,नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र दुधारिया,रमाशंकर चौधरी,दशरथ कौरव पार्षद प्रतिनिधियो में महताब सिंह,नारायण सिंह,जगमोहन तेहरिया,माधव यादव,शेरे पठान,मुन्ना कौरव,दुर्गा पाल,पार्षदगणों में दिनेश कौरव,सुधीर तिवारी मौजूद रहे।वहीं सुरेश कौरव,शिवकुमार गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

मंशापूर्ण हनुमान मंदिर लेबर चौक पिंटू पार्क पर संगीत में श्रीमद् श्री राम कथा का आयोजन किया जा रहा है

पुष्पांजली टूडे संवाददाता

आज कथा के दूसरे दिन वाचक व्यास स्वामी श्री रामेश्वरनंद जी महाराज श्री धाम वृंदावन के मुखारविंद से भक्तों ने श्रवण कथा में माता सती की कथा सुनाई इसमें महाराज जी ने बताया कि मनुष्य को बिना बुलाए नहीं जाना चाहिए जिस जगह सम्मान नहीं मिले उस जगह तो बिल्कुल ही नहीं जाना चाहिए श्री शिव शंकर भोलेनाथ की लाख मना करने पर सती माता अपने पिता दक्ष के यहां यज्ञ में चली जाती है वहां उनका कोई सम्मान भोलेनाथ का आसन भी नहीं लगा होता सभी देवी देवता बैठे होते हैं यह देख सती माता अति क्रोधित होती हैं और शरीर को त्याग कर देती हैं श्रीमद् राम कथा के पारीक्षित श्री हनुमान जी महाराज को ही बनाया गया है कथा के मुख्य यजमान श्री ब्रजभूषण सिंह कुशवाहा पत्नी गायत्री देवी मंदिर के पुजारी संजय तिवारी संरक्षक राजेंद्र दास महाराज एवं समस्त मित्रों के सहयोग से यह संगीत में कथा 26 फरवरी 2023 तक प्रतिदिन श्रीराम के जीवन की कथा सुनाएंगे इस कथा का सीधा प्रसारण लाइव श्री अविनाशी यूट्यूब चैनल पर आप देख सकते हैं प्रतिदिन एक बजे से शाम पांच बजे तक।

विशाल निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर 21 फरवरी को

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। डॉ. श्याम बिहारी शर्मा जी की स्मृति में चलाए जा रहे सतत सेवा कार्यों की श्रंखला में दिनाँक 21 फरबरी 2023 (मंगलबार) को विशाल नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद आपरेशन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। श्री आशुतोष दौहलिया एवं जय प्रकाश शर्मा ने बताया कि रतन ज्योति चैरिटेबल फाउंडेशन एवं के सौजन्य से यह चिकित्सा शिविर दिनाँक 21 फरबरी 2023 (मंगलबार) को प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक वंडर पब्लिक सेंट्रल स्कूल, मच्छरिया रोड़, मिहोना पर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में परीक्षण उपरांत मोतियाबिंद के रोगियों का निःशुल्क रतन ज्योति नेत्रालय ग्वालियर में ऑपरेशन कराया जाएगा, जंहा इच्छुक मरीजों से अपील की गई है, कि अपने साथ आधार कार्ड और मोबाइल नंबर अवश्य लावें।

शिव की बारात से पूरा नगर हुआ भक्तिमय

मुंगावली संवाददाता
जितेंद्र राय की रिपोर्ट

मुंगावल्ली में शिव बारात में जो माहौल इस वर्ष दिखाई दिया बो पिछले वर्षों की तुलना में अधिक भक्तिमय था। लोगो ने शिव के प्रति आस्था और शिव की आराधना करने वाले साधक शिव की बारात में बाराती बने, बारात की भव्यता इतनी थी की दूर दूर तक शिव रोड पर शिव साधक साथ चलते हुए दिखाई दिए और यह बारात की शुरुवात से ही लोगो में उत्साह दिखाई दिया। इस बारात में घोड़ा बग्घी पालकी दिलदिल घोड़ी अखाड़ा डी जे बैंड की संख्या खुद में आकर्षण का केंद्र बना रहा, इस आयोजन समिति के अनुसार इस बार शिव बारात में संख्याबल करीब तीन हजार से ऊपर का था इसके अलावा जैसे जैसे बारात बढ़ती गई लोग जुड़ते चले गए। आयोजक मंडल ने इस कार्यक्रम के लिए अपनी भूमिका पहले से निर्धारित की थी जो सही साबित हुई, गाते झूमते बाराती और बारातियों का जगह जगह स्वागत इस बात का प्रतीक है की मुंगावली में ये शिव महाभारत किसी भी मायने में कमजोर नहीं है।

रात्रि में होगा भजन संध्या का आयोजन- सब्जी मंडी प्रांगण में स्थित भोले बाबा के मंदिर पर एक मधुर भजन संध्या का कार्यक्रम भी होगा जिसमे भक्तिमय माहौल की बेला को सुचारू रखने का प्रयास किया जायेगा। दिन भर जिस भक्ति में लोग रसपान करते नजर आए उसी क्रम में मन को सुकून देने का प्रयास शिव के भक्तो द्वारा किया जायेगा। इस कार्यक्रम को लेकर भी लोगो में एक उत्साह का माहौल बना दिखाई दे रहा है, इस कार्यक्रम के आयोजक द्वारा भी सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार प्रसार जोर शोर से किया जा रहा है और जिस मंदिर पर यह आयोजन होगा कुछ समय पहले बह मंदिर जीर्ण हालत में था जिसको अथक प्रयास के बाद उम्दा बनाने की कोशिश की गई है।

वनखंडेश्वर महादेव मंदिर सहित शहर के शिव मंदिरों में धूमधाम से मनाया गया महाशिवरात्रि पर्व

कांवड़ियों ने श्रंगीरामपुर के गंगा घाट से जल लाकर भोलेबाबा का किया जलाभिषेक, धर्मावलंवियो समाजसेवियो ने जगह जगह फलाहार और विश्राम की व्यवस्था कर कांवड़ियों का किया स्वागत, रात्रि में निकलेगी भगवान शिव की बारात

उमाकांत शर्मा संबाददाता

भिण्ड। भिण्ड में महाशिवरात्रि के दिन हजारो की संख्या में श्रद्धालु जिला मुख्यालय से 60 कोस से अधिक की दूरी पर स्थित श्रंगीरामपुर गंगा घाट से पैदल चलकर कांवड़ों में गंगा जल भर कर लाते हैं। कांवड़िये गंगाजल से शिवालयों में जलाभिषेक करते हैं। चारों तरफ कांवड़ियों की धूम रहती है। इसी कडी में इस वर्ष भी हजारों श्रद्धालुओं ने महाशिवरात्रि के पर्व पर वनखण्डेश्वर महादेव मंदिर, कुंडेश्वर,कालेश्वर महादेव,अर्धनारीश्वर, त्रयम्बकेश्वर एवम गौरी घाट पर स्थित मन्दिरो पर भोलेनाथ की पिंडी का अभिषेक कर पिंडीदर्शन किया। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर हरवर्ष की भांति इस वर्ष भी शाम को भगवान भोले नाथ की बारात गौरी घाट से चलकर भिण्ड शहर के मुख्यमार्गों से होकर निकाली जाएगी। भगवान भोलेनाथ लाल बत्ती की पालकी में सवार होकर निकलेंगे। उनके साथ दर्जनों रथ बग्घियों पर झांकियां निकलेंगी। बारात को लेकर व्यापक तैयारियां की गई है। बारात महोत्सव समिति के डॉ रमेश दुबे और उनके साथियों ने लोगों को पीले चावल देकर लोगों को शिव बारात में शामिल होने का आमंत्रण भी दिया है।

अम्बाह शहर ग्रामीणों में अपराधों का ग्राफ बढ़ा, तो बीट प्रभारी पर गिरेगी गाजः बिनय यादव टीआई अम्बाह

केशब पंडित जी पत्रकार अम्बाह

अम्बाह। थाने में पदस्थ सिपाही से लेकर सब इंस्पेक्टर तक हर पुलिसकर्मी को डिसीप्लीन में रहना होगा। मनमानी ड्यूटी और लापरवाही करना पुलिसकर्मियों को भारी पड़ेगा। नवागत टीआई ने कानून-व्यवस्था में सुधार की पहल थाने से की है। अपराधियों को ठीक करने से पहले महकमे को सुधारने की मुहिम शुरू हुई है। टीआई ने सख्त निर्देश दिए हैं कि शहर व ग्रामीण के किसी भी इलाके में अपराधों का ग्राफ बड़ा तो संबधित बीट प्रभारी पर गाज गिरेगी।

बीट सिस्टम की होगी सर्जरी- इसके साथ ही टीआई ने बड़ते शहर के लिहाज से सभी बीटों में फेरबदल करने का निर्णय लिया है। संवेदनशील बीट में दबंग और ईमानदार पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा। **नए प्रयोग की चर्चा-** थाने में इसके पहले आए कई नवागत टीआई चार्ज लेते ही पुराने ढर्रे पर काम करते रहे हैं, लेकिन हाल में पदस्थ हुए टीआई बिनय यादव की सख्त कार्यप्रणाली का उदाहरण उनके आते ही नजर आने लगा **ये है गाइडलाइन-** ड्यूटी ऑफिसर चार्ज लेते ही यह देखेंगे कि एचसीएम ने थाने के हर कक्ष और परिसर की साफ-सफाई कराई या नहीं। हवालात में बंद आरोपी या संदेही से बात कर उनकी तकलीफ या रात में हुई परेशानी की जानकारी लेना होगी। रोलकाल में हर पुलिसकर्मी की मौजूदगी अनिवार्य रहेगी। रोलकाल रजिस्टर पर हस्ताक्षर के बाद थाना प्रभारी इसकी जांच करेंगे। थाने में बिड़ी-सिगरेट के छल्ले उड़ाने और गुटखा-पाउच के सेवन पर पाबंदी रहेगी। दीवारों के आसपास थूकना भी प्रतिबंधित रहेगा। थाने पहुंचने वाले हर फरियादी की बात गंभीरता से सुनकर उचित कार्रवाई करना पड़ेगी। फरियादी से किसी तरह का अभद्र व्यवहार या गालीगलौंच करने पर कार्रवाई होगी। थाने में बैठे आरोपियों से किसी तरह की मारपीट नहीं होगी, कड़ी सुरक्षा के बीच उन्हें रखा जाएगा। न्यायालय पेशी पर भी सुरक्षा तगड़ी रहेगी। रात्रि पेट्रोलिंग पर जाने वाली टीमों एवं थाना मोबाइल को शराब दुकान, पेट्रोल पंप, ढाबे, लॉज, संदिग्ध रूप से खड़े वाहनों, धार्मिक स्थलों, बस स्टेंड की जांच करना होगी। इसका ब्यौरा थाने कंट्रोल को भेजना अनिवार्य होगा। किसी भी बीट में जुआं-सट्टा, मादक पदार्थों का कारोबार या किसी आपराधिक गतिविधियां मिलने पर बीट प्रभारी पर कार्रवाई होगी। स्कूल-कॉलेज व कौचिग लगने और छूटने के वक्त पान गुमठियों, दुकानों के आसपास घूमने वाले मनचलों पर भी कार्रवाई का जिम्मा बीट प्रभारी का होगा।

कार्रवाई होगी- थाने में पदस्थ सिपाही से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों की जिम्मेदारी शासन ने तय की है। चार्ज लेते ही हमने इसी ड्यूटी को गंभीरता से पूरा करने तीन पत्रों का सूचना पत्र जारी किया है। इसे हर कर्मचारी को अनिवार्य तौर पर मानना पड़ेगा। जो पुलिसकर्मी लापरवाही करेंगे उनके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। शहर में अपराधी तत्वों पर शिकंसा कसा जाएगा। बीट में अपराध होने पर बीट प्रभारी जिम्मेदार होंगे।

महाशिवरात्रि महोत्सव एंव प्रतिभा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरू। सीरवी समाज ट्रस्ट बेंगलोर पश्चिम आईमाता बडेर प्रागंण में शनिवार को महाशिवरात्रि महोत्सव एंव प्रतिभा सम्मान समारोह का शुभारंभ आईमाता की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीरवी संदेश मासिक पत्रिका के संम्पादक नारायणलाल बर्फा सेवानिवृत्त अध्यापक ताराराम गेहलोत बगड़ी का बडेर के पदाधिकारियों द्वारा माला व साफा पहनाकर सम्मान किया गया ।इस सामारोह के लाभार्थी परिवार संस्था के सरक्षंक इन्द्रलाल सोलंकी एंव संस्था के पदाधिकारियों ने मेघावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया । नारायणलाल बर्फा ने सभा क संबोधित करते हुए विद्यार्थियों को चरित्रवान बनने तथा ईमानदारी के रास्ते पर चलने का आह्वान किया ।ताराराम गेहलोत ने कहा की विद्यार्थियों को परीक्षा में नकल नहीं करने व अपशब्दों का प्रयोग नही करने सहित अन्य बातों का ध्यान रखने की सीख दी । माही बीज पर्व महोत्सव में लाभार्थियों का माला साफा द्वारा स्वागत किया गया ।संस्था के अध्यक्ष रूगाराम चोयल ने महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संस्था सचिव हनुमान बर्फा, कोषाध्यक्ष घीसाराम, भानाराम गहलोत, घीसुलाल चोयल सहित समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सभी भक्त जन को स्वल्पाहार कराया गया

खरगोन से मुन्ना खान

महाशिवरात्रि के पर्व पर चुनरी यात्रा मां नर्मदा पुजन एवं पार्थिव शिवलिंग पुजन खरगोन जिला मुख्यालय सुमिषि अस्पताल परिसर से पोस्ट आफिस राधा वल्लभ मार्केट चौराहे से महा कालिका मंदिर होते हुए नावटवडी चुनरी यात्रा पहुंचेगी काफी संख्या में भक्त जन चुनरी यात्रा में शामिल होकर मां नर्मदा पुजन अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे सुमिषि अस्पताल परिसर पर सभी भक्त जन को स्वल्पाहार कराया गया सभी माता बहनें एवं बच्चों ने हाथ झंड़ा लेकर चले चुनरी यात्रा में क्षेत्रीय विधायक रवि जोशी जिला कांग्रेस अध्यक्ष नाईक अपने भक्तों जनों के साथ सुमिषि अस्पताल परिसर से पैदल चलते हुए राधा वल्लभ मार्केट पोस्ट आफिस चौराहे सराफा बाजार होते गणेश मंदिर होते हुए चुनरी यात्रा पहुंचेगी नावडाटवडी विधायक रवि जोशी ने बताया गया की नावडाटवडी पहुंच कर पुजा अर्चना कर प्रसादी वितरण किया जाएगा ओर मां नर्मदा से प्रथाना करेंगे की अच्छी बारीश हो इस वर्ष नव युवक जो बेरोजगार हैं उनकी समस्या दुर हो मां नर्मदा से ऐसी-ऐसी कामना करेंगे।

महादेव में भी समाहित है पर्यावरण : इकबाल अली

डॉ.श्याम बिहारी शर्मा जी की स्मृति में सड़क सुरक्षा के लिए किया स्वयं सेविकों कों जागरूक

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। शासकीय एमजेएस स्नातकोत्तर महाविद्यालय भिंड की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक का सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन रासेयो इकाई एक की कार्यक्रम अधिकारी डॉ कमला नरवरिया के निर्देशन में शासकीय माध्यमिक विद्यालय विक्रमपुरा मे किया जा रहा है । राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एक के सात दिवसीय विशेष शिविर का आज चतुर्थ दिवस था। जन अभियान परिषद के ब्लॉक कॉर्डिनेटर जेपी शर्मा ने स्वंयसेवको कों डॉ.श्याम बिहारी शर्मा की स्मृति में यातायात सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए यातायात सुरक्षा के पेम्फलेट वितरित किए। बौद्धिक सत्र मे मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफेसर इकबाल अली व विशिष्ट अतिथि द्वय शासकीय हायर सेकंडरी चंदूपुरा के प्राचार्य वी पी पांडेय तथा जन अभियान परिषद के ब्लॉक कॉर्डिनेटर जीपी शर्मा व मुख्य अतिथि के रुप में सृष्टि शर्मा और अध्यक्ष शिवम तोमर उपस्थित रहे । मंच संचालन स्वंयसेविका नेहा गोयल ने किया । प्रोफेसर इकबाल अली ने यातायात सुरक्षा के लिए हेलमेट की उपयोगिता के बारे में स्वंयसेवको को बताया तथा विशिष्ट अतिथि वी पी पांडेय ने छात्रों को अपने में जीवन में अनुशासन व संतुलन के महत्व के बारे में बताया व जीपी शर्मा ने स्वंयसेवको को यातायात के नियमों व सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। स्वंयसेवको ने पोस्टर बनाये जिनमे रहनुमा खान प्रथम व सृष्टि शर्मा , पूनम बघेल ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर संतोष, मुस्कान कुशवाह, सायमा अंसारी ,शिवम शर्मा, प्रकाश कतरोलिया आदित्य व अभिषेक इत्यादि बडी संख्या में स्वंयसेवको ने शिविर में उपस्थित रहे।

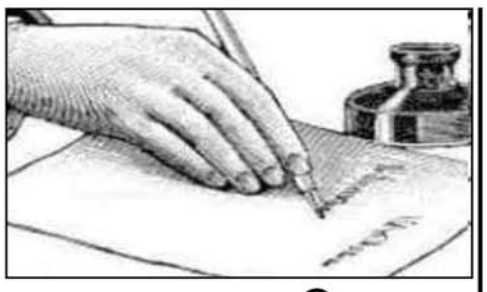

सम्पादकीय

ऊंची उड़ान

एयर इंडिया द्वारा फ्रांस व अमेरिका से चार सौ सत्तर विमानों की खरीद का समझौता विमानन क्षेत्र में भारत की बढ़ती दखल का परिचायक ही है। ऐसे समय में जब दुनिया की अर्थव्यवस्था कोरोना संकट के बाद रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते हिचकोले खा रही है, भारत का इतना बड़ा समझौता हमारी बढ़ती आर्थिक ताकत को दशार्ता है। जहां यह समझौता एक ओर रोजगार बढ़ाने में सहायक होगा, वहीं अमेरिका तथा फ्रांस-ब्रिटेन के साथ संबंधों को नई उष्मा देगा। टाटा समूह की कंपनी एयर इंडिया ने अमेरिका की बोइंग कंपनी से दो सौ बीस तथा फ्रांस की कंपनी एयरबस से ढाई सौ विमान खरीदने का करार किया है। इस समझौते को विमानन क्षेत्र का सबसे बड़ा खरीद का समझौता बताया जा रहा है। समझौते से ब्रिटेन भी खासा खुश है। इसकी वजह यह है कि फ्रांस की कंपनी एयरबस के विमानों में लगने वाला इंजन ब्रिटिश कंपनी रॉल्स रॉयस द्वारा तैयार किया जायेगा। जो ब्रिटेन में भी रोजगार वृद्धि का वाहक बनेगा। तभी ब्रिटेन ने भी समझौते का स्वागत किया है। हालांकि, विमानों के भारत पहुंचने में दो साल तक का समय लग सकता है लेकिन इसकी शुरूआत इस साल के अंत तक हो जायेगी। बहरहाल, समझौता टाटा समूह द्वारा एयर इंडिया में नये प्राण संचरण के बाद इसे नई ऊंचाई तक ले जाने की प्रतिबद्धता को भी दशार्ता है। निस्संदेह हवाई सेवाओं में विस्तार के चलते देश में भी बड़ी संख्या में रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। वहीं दूसरी ओर भारतीय विमानन बाजार में मध्यपूर्व की विमानन कंपनियों के दबदबे को खत्म करने में भी मदद मिलेगी। विमानन विशेषज्ञ उम्मीद जता रहे हैं कि भारत इस खरीद के बाद दुनिया के विमानन क्षेत्र में तीसरा बड़ा बाजार बन जायेगा। हाल के दिनों में देश में तेजी से हवाई अड्डों और आधारभूत संरचना का विस्तार किया जा रहा है। इससे विमानन क्षेत्र में नये रोजगार के अवसरों का भी सृजन होगा। निस्संदेह, इस समझौते के बाद भारत के अमेरिका व फ्रांस-ब्रिटेन से रिश्तों में नई रवानी आएगी। खासकर ऐसे वक्त में जब रूस-यूक्रेन युद्ध में पुराने मित्र रूस के खिलाफ भारत के मुखर न होने तथा कच्चा तेल खरीदने के कारण अमेरिका व यूरोपीय देशों की भृकुटियां तनी हुई थीं। निस्संदेह समझौते का दायरा बड़ा व्यापक है। यह इस बात से पता चलता है कि बोइंग से समझौते के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई बातचीत के बाद बाइडन का कहना था कि इससे अमेरिका में दस लाख नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। साथ ही दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों की बात भी कही गई। ऐसी ही खुशी ब्रिटेन में भी समझौते के चलते पैदा होने वाले रोजगार के अवसरों को लेकर है। निस्संदेह, भारत आज इस स्थिति में पहुंच गया कि वह दुनिया की महाशक्तियों की अर्थव्यवस्था में ऊर्जा के संचार का वाहक बन रहा है। वह भी तब जब कोरोना संकट के बाद रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच हमारे कई पड़ोसियों समेत दुनिया के तमाम देशों की माली हालत खस्ता है। वहीं दूसरी ओर कूटनीतिक नजरिये से भी यह समझौता भारत की मजबूत होती स्थिति को दशार्ता है। उड्डयन कूटनीति के जरिये भारत ने महाशक्ति अमेरिका, यूरोपीय ताकत फ्रांस व ब्रिटेन के साथ बेहतर रिश्तों का मार्ग प्रशस्त किया है। यही वजह है कि जहां एक ओर जो बाइडन ने समझौते को ऐतिहासिक बताया, वहीं फ्रांस के राष्ट्रपति ने इसे दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने वाला बताया। जो दुनिया के राजनय के क्षेत्र में भारत के बढ़ते कद को ही दशार्ता है। दो ध्रुवों में बंटी दुनिया के बीच अपनी संप्रभुता की रक्षा करते हुए कूटनीतिक संतुलन बनाना मोदी सरकार के कौशल की बड़ी उपलब्धि कही जा सकती है। निस्संदेह, इस बड़े समझौते से ग्लोबल बाजार में भारत की छवि मजबूत होगी तथा विदेशी निवेशकों का विश्वास भारतीय बाजार में बढ़ेगा।

बौद्धिक पलायन भारत की अर्थव्यवस्था पर चोट

> आसियान देशों के छात्र भारत में पढ़ने से थोड़ा हिचकिचाते भी हैं,जिसके अनेक कारणों में से अपराधिक गतिविधियां, प्रदूषण, गर्मी, प्रवेश की लंबी लंबी प्रक्रिया, और भारतीय डिग्री की मान्यता नहीं होना भी शामिल है भारत में बारह से चौदह ऐसे शिक्षा संस्थान हैं, जो विश्व के 200 मान्यता प्राप्त संस्थानों में शामिल हैं।

विगत दो दशकों में प्रतिभा पलायन भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है शिक्षा के क्षेत्र में बड़े शिक्षा संस्थानों में भारी-भरकम खर्च के बाद शिक्षित युवक विदेशों में अपनी सेवाएं प्रदान करने को सदैव तत्पर रहते हैं इसका बड़ा कारण विदेशी मुद्रा की कमाई और विदेशी चकाचौंध के तरफ आकर्षण ही होता हैस इससे भारत के आर्थिक तंत्र पर बड़ा भार प्रत्यारोपित होता हैस इतना खर्च कर के पढ़ाई करने के बाद भारतीय युवा मस्तिष्क भारत के विकास में योगदान न दें तो देश के लिए विडंबना की भांति हैस भारत के इतिहास पर नजर डालें, तो नालंदा,तक्षशिला, शांति निकेतन,और पाटलिपुत्र जैसे बड़े शिक्षा के केंद्र रहे हैं। सदैव अलग-अलग देशों से शिष्य शिक्षा प्राप्त करने भारत आते रहे हैं। अब ऐसा क्या हो गया है कि भारत से तकनीकी, चिकित्सकीय और संचार माध्यमों, मैनेजमेंट की पढ़ाई के लिए भारत से लगभग दो से ढाई लाख छात्र विदेश में पढ़ने के लिए जाने लगे हैं। वही भारत सरकार का सदैव प्रयास रहा है की विदेशी छात्र हिंदुस्तान में पढ़ाई के लिए देश में आए और और हिंदुस्तानी डिग्री लेकर अपने देश में लौटे। इस तरह भारत सरकार द्वारा भारत को एक बड़ा शिक्षा केंद्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। और किसके लिए एक अभियान फेलोशिप कार्यक्रम चलाया गया है। इसके अलावा सरकार द्वारा एक प्रोजेक्ट डेस्टिनेशन इंडिया भी शुरू किया गया है। जिसके अंतर्गत विदेशी छात्रों की प्रवेश की प्रक्रिया को अत्यंत सरल सुगम बनाना है जिससे ज्यादा से ज्यादा छात्र भारत में पढ़ कर डिग्री हासिल करें अभी वर्तमान में भारत में आसियान देशों के निवासी छात्रों की संख्या लगभग सवा दो लाख के करीब है मानव संसाधन विभाग द्वारा इसे आगामी वर्षों में चार गुना करना चाहती है। आसियान देशों के छात्र भारत में पढ़ने से थोड़ा हिचकिचाते भी हैं,जिसके अनेक कारणों में से अपराधिक गतिविधियां, प्रदूषण, गर्मी, प्रवेश की लंबी लंबी प्रक्रिया, और भारतीय डिग्री की मान्यता नहीं होना भी शामिल है भारत में बारह से चौदह ऐसे शिक्षा संस्थान हैं, जो विश्व के 200 मान्यता प्राप्त संस्थानों में शामिल हैं। भारत में शिक्षा प्राप्त करना कम खर्च में संभव है, पर भारत के छात्र अमेरिका,ऑस्ट्रेलिया, कनाडा,सिंगापुर में पढ़ना चाहते हैं जहां पढ़ने का खर्च डॉलर में यहां से चार गुना पड़ता है। जबकि भारत में आए छात्रों का पढ़ाई तथा खाने-पीने रहने का खर्च लगभग एक चौथाई होता है, फिर भी भारत के अभिभावक अपने बच्चों को विदेश भेजने में वरीयता देते हैं।भारत द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा है कि भारत के विश्वविद्यालयों की शिक्षा की गुणवत्ता विदेशी स्तर पर हो,पर इसमें काफी समय लगने की गुंजाइश भी है।यह भी संभव होगा कि विदेशी विश्वविद्यालयों की शाखाएं भारत में खोल दी जाए, और भारत के छात्र भारत में ही रह कर अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। असल चिंता की बात यह है कि विदेश में जाने वाले छात्र वहां पढ़कर वही के संस्थानों में अपनी नौकरी खोज कर वहीं रहने लगते है। दूसरा यह है कि यहां की तकनीकी टॉप संस्थानों के होनहार युवक विदेशों में मोटी मोटी तनख्वाह में नौकरी देख कर विदेश चले जाते हैं, इस तरह भारत सरकार का उन पर किए जाने वाला खर्च का फायदा भारतीय संस्थानों को ना होकर विदेशी संस्थाएं उठा ले जाती है ।इस तरह प्रतिभा पलायन भारत के लिए और भारतीय शिक्षा पद्धति तथा भारतीय विश्वविद्यालयों के लिए नुकसानदेह भी है। भारत ने आसियान देशों के एक हजार छात्रों के लिए फैलोशिप कि 2018 में योजना बनाकर राशि आवंटित की थी। हर साल 200 से 300 छात्रों को बड़े तकनीकी संस्थानों में डॉक्टरेट की उपाधि देने की योजना बनाई थी। पर बीते वर्ष केवल आसियान देशों के 45 छात्रों ने पंजीयन करवाया था,इस तरह विकासशील देशों के छात्र भी भारत में पढ़ाई के लिए आकर्षित नहीं हो रहे हैं। मानव संसाधन विभाग को उच्च शिक्षा उपयोगी और व्यवसायिक शिक्षा के रूप में दी जानी चाहिए, जिस की उपयोगिता रोजमर्रा के कामों में हो सके और शिक्षा के माध्यम से युवकों को शत-शत रोजगार प्राप्त हो सके। तभी प्रतिभा पलायन में अंकुश लग हमारी शिक्षा पद्धति की उपयोगिता बढ़ेगी।

धरती पर महाविनाश का खतरा

आदित्य नारायण

हाल ही के वर्षों में दुनिया एक के बाद एक त्रासदियां झेल रही है। कहीं भूकम्प तो कहीं बाढ़ तो कहीं सुनामी। 2011 में उभरी जापान में आई सुनामी से हुई जानमाल की क्षति को आज तक कोई भुला नहीं पाया। हाल ही में तुर्किए, सीरिया में आए भूकम्प से मरने वालों का आंकड़ा अब 50 हजार को छूने जा रहा है। ईरान में हुई भयंकर तबाही को देख हर कोई सिहर उठता है। बार-बार आ रहे तूफान हमें डरा रहे हैं। धरती का तापमान बढ़ने से जलवायु परिवर्तन के खतरों से दुनिया अघ्नभिज्ञ नहीं है लेकिन मानव सतर्क नहीं हो रहा। बढ़ते वैश्विक तापमान के साथ बर्फ पिघलने और इससे बढ़ते समुद्र का स्तर दुनिया के लिए बड़ा संकट है। विश्व मौसम संगठन ने (डब्ल्यूएमओ) ने बहुत खतरनाक रिपोर्ट दी है। रिपोर्ट के मुताबिक इसका असर छोटे द्वीप देशों में ही नहीं, घनी आबादी वाले तटीय शहरों में रहने वाले 90 करोड़ लोगों की जिन्दगी पर पड़ेगा। इसका अर्थ यही है कि धरती पर रह रहे हर दस में से एक शख्स बड़ी मुश्किल में आ जाएगा। इसमें भारत, बंगलादेश, चीन और नीदरलैंड जैसे देशों के लोग शामिल होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुम्बई, ढाका, शंघाई, लंदन और न्यूयार्क समेत दुनिया के कई शहरों के डूबने का खतरा मंडरा रहा है। इस रिपोर्ट से पता चलता है कि दुनिया के पांवों तले की जमीन खिसक रही है परन्तु मानव बेपरवाह है।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर ग्लोबल वामिग डेढ़ डिग्री सेल्सियस तक सीमित रहती है तो अगले दो हजार वर्षों में समुद्र का जल स्तर 2 से तीन मीटर बढ़ जाएगा। अगर ग्लोबल वार्मिंग को 2 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने में हम सफल भी हो जाते हैं तो समुद्र 6 मीटर तक उठ जाएगा और अगर ग्लोबल घ्वार्मिंग 5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गई तो दो हजार सालों तक समुद्र 1922 मीटर तक उठ जाएगा। दुनिया पर कयामत ढाने वाली हॉलीवुड की फिल्में तो आप ने देखी होंगी कि किस तरह शहर जल समाधि ले लेते हैं, लाशों के ढेर लगे होते हैं और वाहन खिलौनों की तरह पानी में तैर रहे होते हैं। इंसान तो यही सोचता है कि 2000 वर्ष में अगर जलस्तर 2 या 3 मीटर बढ़ भी गया तो कौन सी कयामत आ जाएगी। इंसान का सोचना गलत है क्योंकि समुद्र के जलस्तर में एक इंच की बढ़ौतरी भी बहुत खतरनाक है। समुद्र का जलस्तर बढ़ने से केवल तटीय शहर ही नहीं डूबते बल्कि समुद्र की लवणता और उसके जलीय जीवन पर बड़ा विकराल प्रभाव पड़ता है। यह दुनिया की अर्थव्यवस्था, आजीविका, सेहत के जोखिम को बढ़ाएगा ही बल्कि इससे खाद्यान्न संकट भी पैदा हो जाएगा। कौन नहीं जानता कि ग्लेशियर पिघल रहे हैं और रेगिस्तान परसते जा रहे हैं। कहीं असामान्य बारिश तो कहीं गर्मियों में ओले पड़ जाते हैं। जलवायु परिवर्तन के पीछे ग्रीन हाउस गैसों की मुख्य भूमिका है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इसके पीछे तेजी से हुआ औद्योगिकरण है। जंगल काट-काट कर कंक्रीट के शहर बसा दिए गए हैं। दुनिया भर में वाहनों की संख्या बढ़ती जा रही है और पैट्रोलियम पदार्थों के धुएं से प्रदूषण बढ़ रहा है। फ्रिज, एयर कंडीशनर और अन्य इलैक्ट्रोनिक उपकरण वातावरण को विषाक्त बना रहे हैं। अब सवाल यह है कि धरती का तापमान कम करने के लिए इंसान क्या करे। वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों का कहना है कि ग्लोबल वार्मिंग में कमी के लिए मुख्य रूप से सीएफसी गैसों का ऊत्सर्जन कम करना होगा और इसके लिए फ्रिज, एयर कंडीशनर और दूसरे कूलिंग मशीनों का इस्तेमाल कम करना होगा या ऐसी मशीनों का उपयोग करना होगा जिनसे सीएफसी गैसें कम निकलती हैं। औद्योगिक इकाइयों की चिमनियों से निकलने वाला धुआं हानिकारक है और इनसे निकलने वाली कार्बन डाईऑक्साइड गर्मी बढ़ाती है। इन इकाइयों में प्रदूषण रोकने के उपाय करने होंगे। वाहनों में से निकलने वाले धुएं का प्रभाव कम करने के लिए पर्यावरण मानकों का सख्ती से पालन करना होगा। उद्योगों और खासकर रासायनिक इकाइयों से निकलने वाले कचरे को फिर से उपयोग में लाने लायक बनाने की कोशिश करनी होगी और प्राथमिकता के आधार पर पेड़ों की कटाई रोकनी होगी तथा जंगलों के संरक्षण पर बल देना होगा। अक्षय ऊर्जा के उपायों पर ध्यान देना होगा यानी अगर कोयले से बनने वाली बिजली के बदले पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा और पनबिजली पर ध्यान दिया जाए तो आबोहवा को गर्म करने वाली गैसों पर नियंत्रण पाया जा सकता है। याद रहे कि जो कुछ हो रहा है या हो चुका है वैज्ञानिकों के अनुसार उसके लिए मानवीय गतिविधियां ही दोषी हैं। मनुष्य ने अगर प्रकृति के संग जीना नहीं सीखा तो उसे भयंकर परिणाम झेलने पड़ेंगे। अगर वह अब भी नहीं चेता तो एक न एक दिन प्रकृति उसे निगल लेगी। धरती पर महाविनाश का खतरा मंडरा रहा है। इसे रोकने के लिए दुनिया को कदम उठाने होंगे।

> समुद्र का जलस्तर बढ़ने से केवल तटीय शहर ही नहीं डूबते बल्कि समुद्र की लवणता और उसके जलीय जीवन पर बड़ा विकराल प्रभाव पड़ता है। यह दुनिया की अर्थव्यवस्था, आजीविका, सेहत के जोखिम को बढ़ाएगा ही बल्कि इससे खाद्यान्न संकट भी पैदा हो जाएगा। कौन नहीं जानता कि ग्लेशियर पिघल रहे हैं और रेगिस्तान परसते जा रहे हैं।

बीबीसी पर कार्रवाई और लोकतंत्र की नींव

आयकर अधिकारी वित्तीय लेन-देन, कंपनी संरचना और समाचार कंपनी के बारे में अन्य विवरणों पर जवाब मांग रहे हैं और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से डेटा की नकल कर रहे हैं। ध्यान देने की बात ये है कि बीबीसी कोई औद्योगिक उपक्रम नहीं है, न ही गैर-सरकारी समाजसेवी संगठन है

बीबीसी के दिल्ली और मुंबई स्थित दफ्तरों में आयकर विभाग के सर्वे का काम गुरुवार 16 फरवरी को इन पंक्तियों के लिखे जाने तक जारी है। बीबीसी दफ्तरों पर 14 फरवरी से सर्वे का काम शुरू हुआ था और लगभग 48 घंटे के बाद भी शायद अधिकारियों के हाथ ऐसा कोई सबूत नहीं लगा, जिसके आधार पर बीबीसी पर कोई गंभीर आरोप लगाया जा सके। सर्वे में बीबीसी दफ्तर की न केवल तलाशी ली गई बल्कि तमाम बीबीसी पत्रकारों के फोन कई घंटे तक जब्त रहे। अधिकारियों का कहना है कि यह सर्वे अंतरराष्ट्रीय टैक्सेशन और बीबीसी सहायक कंपनियों के ट्रांसफर प्राइस निर्धारण से संबंधित मुद्दों की जांच के लिए किया जा रहा है। आयकर अधिकारी वित्तीय लेन-देन, कंपनी संरचना और समाचार कंपनी के बारे में अन्य विवरणों पर जवाब मांग रहे हैं और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से डेटा की नकल कर रहे हैं। ध्यान देने की बात ये है कि बीबीसी कोई औद्योगिक उपक्रम नहीं है, न ही गैर-सरकारी समाजसेवी संगठन है, जिसे अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहायता मिलती है। बीबीसी एक मीडिया संस्थान है, जहां कई सूत्रों से खबरें एकत्र की जाती हैं। इन सूत्रों में कई गोपनीय होते हैं। लेकिन इस सर्वे से उन सूत्रों के उजागर होने की आशंका है, जो स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए खतरा है। आयकर विभाग सर्वे, पूछताछ, जांच-पड़ताल जैसे सारे तकनीकी शब्द अपनी कार्रवाई के लिए इस्तेमाल कर सकता है, लेकिन उसकी यह अचानक कार्रवाई एक प्रतिष्ठित, अंतरराष्ट्रीय मीडिया संस्थान पर छापेमारी की तरह ही देखी जा रही है। और केवल भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में इस के चर्चे हो रहे हैं। देश में कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने बीबीसी कार्यालयों

में आयकर अधिकारियों के सर्वे पर सवाल उठाए कि यह सब नरेंद्र मोदी पर डॉक्यूमेंट्री श्इंडिया रू द मोदी क्वेश्चनश प्रसारित होने के बाद ही क्यों हुआ। सरकार चाहे तो इसे मासूमियत के साथ संयोग बता दे, चाहे इसे विपक्ष के आधारहीन आरोप कहे, चाहे सवाल उठाए कि बीबीसी पर कार्रवाई से उसे तकलीफ क्यों हो रही है और चाहे तो अपनी मर्जी का हवाला देते हुए कुछ भी न कहे। आखिर पहले भी कई गंभीर सवालों के जवाब देना सरकार ने जरूरी नहीं समझा। लोकतंत्र में मौन की ताकत को एक नए अंदाज में सरकार दिखा रही है। सरकार चाहे जिस रास्ते पर चले, लेकिन दुनिया के जिन देशों में लोकतंत्र अभी सांसें ले रहा है और जहां मीडिया आजादी महसूस कर सकता है, उन देशों के मीडिया मंचों पर इस कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। और लगभग सभी मीडिया प्रतिष्ठानों में आयकर विभाग के सर्वे को बीबीसी की डाक्यूमेंट्री विवाद से जोड़ा जा रहा है। वैसे सरकार ने इस डाक्यूमेंट्री के भारत में प्रदर्शन पर पहले ही रोक के आदेश दे दिए हैं। एक याचिका भी सुप्रीम कोर्ट में दी गई थी, जिसमें बीबीसी पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग की गई थी, लेकिन शीर्ष अदालत ने इस याचिका को श्पूरी तरह से गलतश बताते हुए खारिज कर दिया था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डॉक्यूमेंट्री के लिंक को ब्लॉक करने के सरकार के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर अप्रैल में सुनवाई होनी है और इस पर क्या फैसला होता है, ये देखना दिलचस्प होगा। बीबीसी पर आयकर की कार्रवाई के प्रकरण से विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत की स्थिति पर क्या फर्क पड़ेगा, ये भी गौरतलब रहेगा। वैसे पिछले साल 2022 में जो रैंकिंग आई थी, उसमें भारत 180 देशों में 142वें में से आठ पायदान गिरकर 150वें स्थान पर आ गया था। भारत 2016 के सूचकांक में 133वें स्थान पर था इसके बाद से उसकी रैंकिंग में लगातार गिरावट आ रही है। रिपोर्टर्स विदाउट बार्डर इस सूचकांक को तैयार करता है और इसमें प्रत्येक देश या क्षेत्र के स्कोर का मूल्यांकन पांच प्रासंगिक संकेतकों का उपयोग करके किया जाता है, जिनमें राजनीतिक संदर्भ, कानूनी ढांचा, आर्थिक संदर्भ, सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ और सुरक्षा शामिल हैं। इन मानदंडों के आधार पर पिछले साल की रिपोर्ट में कहा गया है कि रैंकिंग में गिरावट के पीछे का कारण श्पत्रकारों के खिलाफ हिंसा और राजनीतिक रूप से पक्षपातपूर्ण मीडिया में वृद्धि होना है। सूचकांक के अनुसार, भारत में मीडिया लोकतांत्रिक रूप से प्रतिष्ठित राष्ट्रों की तुलना में तेजी से सत्तावादी और या राष्ट्रवादी सरकारों के दबाव का सामना कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत मीडियाकर्मियों के लिये भी दुनिया के सबसे खतरनाक देशों में से एक है। पत्रकारों को पुलिस हिंसा, राजनीतिक कार्यकताओं द्वारा घात लगाकर हमला करने और आपराधिक समूहों या भ्रष्ट स्थानीय अधिकारियों द्वारा घातक प्रतिशोध सहित सभी प्रकार की शारीरिक हिंसा का सामना करना पड़ता है। इस रिपोर्ट का संज्ञान अगर गंभीरता से लिया जाता तो हालात सुधारने की कोशिश होती। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ, बल्कि अब बात देश के कुछ मीडिया संस्थानों पर कार्रवाई से होते हुए अंतरराष्ट्रीय संस्थान तक पहुंच गई है। सरकार पर सवाल उठे तो बदले में इंदिरा गांधी के लगाए आपातकाल की याद समर्थकों द्वारा दिलाई जाने लगी। जबकि उस दौर में जनसंघ के कई नेताओं ने आपातकाल का यथाशक्ति विरोध किया था। जो बात तब गलत थी, वो अब सही कैसे हो सकती है। वैसे देश में प्रेस की स्वतंत्रता कानूनी प्रणाली द्वारा स्पष्ट रूप से संरक्षित नहीं है, लेकिन यह संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत संरक्षित है, जिसके अनुसार सभी नागरिकों को भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार होगा। रोमेश थापर बनाम मद्रास राज्य,1950 में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि प्रेस की स्वतंत्रता सभी लोकतांत्रिक संगठनों की नींव है। आज उसी नींव के कमजोर होने का डर कायम हो गया है।

पाली एकेडमिक बिसोनी में मनाई गई माता रमाई की 125 वीं जयंती

रितेश कटरे ब्युरो चीफ
पुष्पांजली टुडे बालाघाट

प्रज्ञा मंडल बीसोनी के द्वारा पाली एकेडमिक इंस्टीट्यूट बिसोनी में त्याग मूर्ति माता रमाई की 125 वीं जयंती वंदना वैध की अध्यक्षता तथा आयुष्यमति भीमा बौद्ध नागपुर के मुख्य आतिथ्य तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में नेहा घोड़ेश्वर, अरुणा मेश्राम, शशि एम के बौद्ध, विनीता खोबरागडे आदि की उपस्थिति में मनाई गई। कार्यक्रम में सर्वप्रथम तथागत बुद्ध डॉ बाबासाहेब आंबेडकर एवं माता रमाई के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया गया एवं पूजा वंदना की गई। स्वागत बेला के पश्चात मंचीय कार्यक्रम प्रारंभ हुआ जिसमें सर्वप्रथम विशिष्ट अतिथि के रूप में आयुष्यमती अरुणा मेश्राम ने सभा को संबोधित करते हुए माता रमाई के त्याग एवं समर्पण के बारे में अपना वक्तव्य रखा। इसी कड़ी में विशिष्ट अतिथि आयुष्यमति शशि बौद्ध ने गीत के माध्यम से माता रमाई को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सभा को नेहा घोड़ेश्वर, विनीता खोबरागड़े ने भी संबोधित करते हुए बाबा साहब के जीवन संगिनी माता रमाई को अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मुख्य अतिथि के आसंदी से आयुष्यमति भीमा बौद्ध ने माता रमाई के संपूर्ण जीवन वृतांत पर सविस्तार प्रकाश डाला और शिक्षा की महत्वता से अवगत कराया। इसी तरह एम के बौद्ध द्वारा भी अपनी

कविता के माध्यम से बताया गया कि यदि माता रमाई नहीं होती तो शायद बाबासाहेब कभी बाबासाहेब नहीं बन पाते क्योंकि उन्हीं के कठिन संघर्ष, त्याग, और बलिदान के वजह से बाबा साहब भारत से विदेश जाकर अध्ययन किये और माता रमाई ने उनके प्रत्येक आंदोलन में कंधे से कंधा मिलाकर के उनका साथ दिया। रितेश बंसोड़ द्वारा भी लावणी के माध्यम से सभा को संबोधित किया गया अंत में अध्यक्षीय उद्बोधन में आयुष्यमति वंदना वैद्य ने उपस्थित उपासक उपासिकों को संदेश दिया कि वह अपने बच्चों में हमारे महापुरुषों के संस्कार रोपित करें जिससे कि हमारी आने वाली पीढ़ी हमारे तमाम महापुरुषों के संघर्ष ,त्याग, बलिदान को भलीभांति समझ सके। आयुष्यमान कैलाश वैध ने समस्त साथियों का आभार प्रदर्शन करते हुए कार्यक्रम के सफल बनाने सहयोग देने के लिए सभी को बधाई प्रेषित की। इस संपूर्ण कार्यक्रम का सफल संचालन आयुष्यमती सुनीता धरम श्यामकुवर द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यतः पी एल मेश्राम, बी आर रामटेके, के के भालाधरे, पी डी भालाधरे, धरम श्यामकुंवर ,अशोक नागदेवे, ईश्वर बंसोड़, लक्ष्मीकांत मडामें, प्रीति नागदेवे, सुनीता मेश्राम, इंदु मेश्राम, सुनीता मेश्राम, रेखा वासनिक, वीना भिमते, नमिता भिमटे, काजल भिमटे, अश्विनी मेश्राम, कल्पना मेश्राम, बबिता वैध, सीमा स्यामकुवर, कल्पना मेश्राम, किरण चौरे,प्रेरणा मेश्राम, साक्षी वासनिक, शिवानी मेश्राम, रीना गोस्वामी, रश्मि भिमटे, सूर्यकला वासनिक आदि उपस्थित रहे।

विकलांग बल प्रदेश सचिव ने अपना जन्मदिन वृद्ध आश्रम के वृद्ध एवं विकलांग जन के मनाया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

लहार । प्रदेश सचिव शिवराज उर्फ सौरभ बघेल ने अपना जन्मदिन लहार के बालाजी आश्रम के वृद्धजन एवं अपने विकलांग बन्धुओ के साथ मनाया और एक वृक्ष का रोपण भी किया हर वर्ष की भांति और अंत में सभी वृद्धजन एवं विकलांग जन को स्वल्पाहार (फलाआहार)कराया द्य सौरभ बघेल ने कहा की हम अपना जन्मदिन घर पर तो हमेशा मनाते है लेकिन जो आशीर्वाद और खुशी हमें इन बेसहारा वृद्धजनो के साथ जन्मदिन मनाने में मिलती है बह कही नही मिल सकती है। इस अवसर पर प्रदेश सचिव ने समस्त भारतीय नागरिक बन्धुओ और विकलांग बन्धुओ से अपील और अनुरोध किया की हम आप अपने जन्मदिन पर एक एक पौधा का रोपण जरूर करें जिससे हम सबको पर्यावरण स्वच्छ बनाने में मदद मिलेगी, प्रदूषण रहित वातावरण हम सबका सच्चा जन्मदिन का तोफा होगा। इस अवसर पर उपस्थित रहे विकलांग बल चंबल संभाग उपाध्यक्ष एवं बालाजी वृद्धाआश्रम संचालक अशीन खान, पत्रकार ज्ञान सिंह कुशवाह लहार नगर अध्यक्ष संजय कुमार, रामेश्वर माहौर, केशब कुशवाह, सुभाष दौहरे, प्रहलाद प्रजापति, प्रमोद शाक्य रायभान कुशवाह मनोज रजक आदि।

महाशिवरात्रि पर बिसोनी में भव्य शिव बारात एवं शिव मंदिर में हुआ विशाल भंडारा

रितेश कटरे ब्युरो चीफ
पुष्पांजली टुडे बालाघाट

108 उपज्योतीर्लिगों में शामिल दादा कोटेश्वर महादेव की पावन नगरी लांजी अंतर्गत ग्राम

बिसोनी के मण्डल टोला के शिवमन्दिर में हरदेव लोधी महिला समिती एवं ग्रामवासियों के द्वारा शिव पूजा का महापर्व महाशिवरात्रि पर्व काड़ स्वागत 16 फरवरी को गांव में सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने कलश एवं जवारे सिर पर धारण कर आकर्षक रूप में भव्य शोभायात्रा निकालकर ग्राम का भ्रमण किया। वहीं मंदिर परिसर में दीप प्रज्वलित कर सभी को प्रसाद वितरित किया गया था। इस आयोजन को लेकर शिव भक्तों में काफी उत्साह देखा गया।

शिव मंदिर से निकली भव्य शिव बारात-ग्राम बिसोनी के मण्डल टोला के शिवमन्दिर से शिव भक्तों के द्वारा 17 फरवरी को प्रातः 6 बजे से ध्यान साधना एवं प्रातः 9 बजे से पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं विभिन्न संस्कार सम्पन्न कराया। तथा संध्याकालीन समय में शिवमन्दिर से युवा समिती के सदस्यों के द्वारा भगवान भोलेनाथ की शिवबारात निकाली गई। शिव बारात भव्य रूप में संपूर्ण ग्राम का भ्रमण किया। वहीं शिवरात्रि के दिन दोपहर की बेला में शिवभक्तों के द्वारा ग्राम के सभी आमंत्रित लोगों को भोजन कराया गया।

इनका रहा विशेष योगदान-मंडल टोला स्थित भगवान शिव मंदिर के अनन्य भक्त जिनमें आयोजन समिति के अध्यक्ष अनिल पनोरे, सदस्य गण - मुकेश कुशले, सुनील पनोरे, रमेश कुचलाहे, मनोज कुचलाहे, दीपक चंदेले, आशुतोष कचलाहे, दिलीप चंदेले, खेमराज चंदेले, राजेश देवगड़े, धर्मेंद्र देवगड़े, भरत कुचलाहे, डालेश देवगड़े, हिरेंद्र कालबेले, राजेश कुचलाहे, राजेश पनोरे, राजकुमार पनोरे, अजय मछगाहे, शिवशंकर कुचलाहे, बेनीराम कुचलाहे, लक्ष्मीचंद कुचलाहे, संतोष कुचलाहे, कमलेश कुचलाहे, धर्मेंद्र पनोरे, ऋषभ कुचलाहे, राम बेलघैया, दीपक ब्रम्हपुरे, दिलेश कुचलाहे, राजेंद्र कुचलाहे, मनोहर कुचलाहे, शशांक चंदेले, मुकेश कुचलाहे, आशुतोष कचलाहे, नरेंद्र कुचलाहे, सौरभ कुचलाहे, जितेन्द्र कुचलाहे,अजय अस्तने, ईश्वर चंदेले, अभय करहि, किशोर बेलघैया, प्रवीण पनोरे, ऋतुराज करहि, आकाश कुचलाहे, राजेन्द्र कुचलाहे, संदेश कुचलाहे, राजेंद्र कुचलाहे, अरुण कुशले, रोशन कुचलाहे, मेघराज चंदेले, जितेन्द्र चंदेले, धर्मेन्द्र उरोड़े, कुशलेश कलपुरिया, बलवंत करहि, केदार बिल्हारे पंच, सुरेंद्र कुचलाहे, मनोज कुशले, राजा देवगड़े, सतीश देवगड़े, दिनेश देवगड़े, तेजेंद्र करहि, योगेश देवगड़े, कृष्णा चंदेले, आकाश कुचलाहे, देवनाथ कुचलाहे, राहुल कुचलाहे, अंकित करहि, पवन बारेवार, प्रदूम्य कुचलाहे, योगेश कुचलाहे, सुभाष कुचलाहे, वीरेंद्र करहि, प्रकाश कचवाहे, श्याम चंदेले, धरम करहि, मनीष करहि, धर्मेंद्र कुचलाहे, राकेश कुचलाहे, कुलदीप कुचलाहे, राजा कुचलाहे, सेवकराम कुचलाहे एवं अन्य साथियों का विशेष योगदान रहा।

महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर मध्यरात्रि से कोटेश्वर धाम लांजी में उमड़ी भक्तों की भीड़

पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद

रितेश कटरे ब्युरो चीफ पुष्पांजली टुडे बालाघाट

पुरातात्विक धरोहर के रूप में 108 उपज्योतिर्लिंगों में शामिल कल्चुरी कालीन कलाकृतियों के लिए प्रसिद्ध तथा ओम आकार के नाले में श्मशान स्थल के समीप बसे हुए लांजी की पावन स्थली पर विराजमान दादा कोटेश्वर महादेव के मंदिर में एक बार फिर महाशिवरात्रि पर्व पर भक्तों का जनसैलाब उमड़ा हुआ है। पौराणिक मान्यता यह है कि महाशिवरात्रि पर्व के दिन भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था और भोलेनाथ ने वैराग्य जीवन त्यागकर गृहस्थ जीवन अपनाया था। वहीं, अर्द्धनारेश्वर बनने के बाद भगवान महादेव के इस पर्व पर देवालयों की अपनी गाथा है। जिसमें बालाघाट जिले के लांजी स्थित कोटेश्वर धाम भी एक है। महाशिवरात्रि पर्व के एक दिन पूर्व से ही मध्यरात्रि में बाबा कोटेश्वर धाम में भक्तों का तांता लगा हुआ था। बाबा कोटेश्वर के दर्शन करने शिवभक्त लांजी क्षेत्र के अलावा बालाघाट जिले से तथा पडौसी राज्य महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ से भी श्रद्धालु दर्शन करने पहुंच रहे हैं और बाबा के दर्शन कर मनोकामना पूर्ति का आशीर्वाद मांग रहे हैं। महाशिवरात्रि पर शिवभक्त दिनभर व्रत रखते हुए शिव मंदिरों में शिवलिंग पर भगवान शिव की प्रिय चीजें भांग, धतूरा, बेलपत्र, शमीपत्र, गंगाजल और दूध-दही अर्पित करते नजर आए। इस शुभ अवसर पर काली मंदिर परिसर में साप्ताहिक मेले का भी आयोजन किया जाता है जो कि पुरे एक सप्ताह तक चलता है।

पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद-देवो के देव महादेव का पूजन सावन मास और महाशिवरात्रि पर विशेष माना जाता है। जिसमें सबसे ज्यादा खास महाशिवरात्रि का होता है। इस दिन परमपिता परमेश्वर भगवान शिव और आदिशक्ति माता पार्वती का

मिलन होता है। और भक्त भी बड़ी संख्या में दर्शन करने आते हैं। और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बालाघाट कलेक्टर डॉ गिरीश कुमार मिश्रा एवं बालाघाट एसपी समीर सौरभ के आदेशानुसार लांजी एसडीओपी दुर्गेश आर्मो एवं टीआई दिनेश कुमार सोलंकी के नेतृत्व में कड़ी सुरक्षा की व्यवस्था की गई थी ड़ तथा मध्यरात्रि से ही पुलिस प्रशासन मुस्तैद रहा। जिससे की बाहर से आए शिवभक्तों को दर्शन करने में दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा।

5000 दीपों से एवं राम मंदिर की रंगोली से जगमगाया कोटेश्वर धाम-महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर शिवभक्तों के द्वारा 5000 दिएं जलाकर कोटेश्वर महादेव मंदिर को रोशनीमय कर जगमगाया गया साथ ही अयोध्या में भव्य राम मंदिर के प्रतिरूप को रंगोली के माध्यम से कोटेश्वर महादेव मंदिर परिसर में बनाया गया जिसे शिवभक्तों के द्वारा भरपूर सराहा गया। वहीं दादा कोटेश्वर को फुलों तथा फलों से विशेष साज सज्जा की गई जो अपने आप में आकर्षक नजर आ रही थी। वहीं आएं हुए श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद की भी व्यवस्था की गई थी।

27 फ़रवरी को गोहद में माकपा की आमसभा में केन्द्रीय कमेटी के सदस्य करेंगे सम्बोधित

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

भिंड। ओ पी बाथम, जिला सचिव, माकपा से प्राप्त जानकारी अनुसार दिनांक 18 फरवरी को गोहद अम्बेडकर पार्क में मा क पा नेताओं की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता राजेश शर्मा ने की। बैठक में मार्गदर्शन देने के लिए जिले के प्रभारी कामरेड अखिलेश यादव मौजूद थे।27 फ़रवरी की आमसभा के सम्बन्ध में मा क पा नेताओं ने रूपरेखा तैयार की। बैठक में हुई चर्चा की जानकारी देते हुए मा क पा जिला सचिव ओमप्रकाश वाथम ने प्रेस को बताया कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार में बैठे नेताओं को जनता की चिंता नहीं अपनी तिजोरियां भरने की ज्यादा चिंता है। मंहगाई दिनों दिन बढ़ती जा रही है। किसान आत्महत्याएं रुकने का नाम नहीं ले रही। पढ़ें लिखे नौजवान बेरोजगार घूम रहे हैं। सरकारी नौकरियां गायब हो चुकी है।भा ज पा सरकारें शिक्षा को निजी हाथों में सौंप कर गरीव को शिक्षा से वंचित करना चाहती है। दलित, महिला, आदिवासी, अल्पसंख्यकों के लिए मध्यप्रदेश यातना ग्रह बनता जा रहा है। निजीकरण के नाम

पर देश की जनता की सम्पत्ति बैंक,बीमा, रेलवे, कोयला, स्कूल, अस्पताल, हवाई जहाज सहित सम्पदा पूंजीपतियों के हवाले करने में सरकार लगी हुई है।मा क पा नेता ने कहा कि नेता, नौकरशाहों का मजबूत गठजोड़ बन चुका हैं। सरकारी दफ्तर दुकानों में तब्दील हो चुके हैं। किसानों की कर्जामाफी को सरकार एक तरह से भूल ही चुकी है।आम जनता पर मोटे मोटे विजली के फर्जी बिल भेजे जा रहे हैं। दलितों को 2001 मे जमीन के पट्टे मिलें थे।उनको आज तक कम्प्यूटर में फीड नहीं किया गया है। चितौरा पर अबैध टोल टैक्स बसूली जारी है। गोहद मौ रोड की 18 टन बजनी बाहन चलने की क्षमता है।उस रोड़ पर 100 से 150 टन गिट्टी भर कर भारी वाहन चल रहे हैं।जिससे रोड टूट रहा है। एवं दुर्घटनाओं में महीने में 20, 25 लोग मौत के शिकार हो रहे हैं।मा क पा नेता ने कहा कि इन सभी सवालों को लेकर 27 फ़रवरी को गोहद अम्बेडकर पार्क के सामने दोपहर 11.00 बजे से सरकार का ध्यान आकर्षित कराने के लिए जन आक्रोश सभा रखी गई है। इस सभा को राष्ट्रीय एवं प्रदेश के नेता सवोधित करेंगे। सभा में पहुंचने की अपील करने वालों में भूपेंद्र सिंह गुर्जर, वीरेंद्र सिंह कुशवाह, हरगोविंद जाटव, देवेन्द्र शर्मा,जनपद सदस्य शिशुपाल राना, राजकुमार जाटव,उप सरपंच राय सिंह जाटव, मुन्ना लाल कुशवाह, रामसेवक वावा, फरमान खान,सानू खान,रिजबान खान आदि शामिल हैं।

मौ नगर से नीमसार तीर्थ स्थल जाने वाले कई श्रद्धालुओं का फूल माला से भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ. बेताल सिंह गौड़

आज मौ नगर से नीमसार तीर्थ के लिए कई वृद्ध एवं महिलाएं मौ से रवाना हुए उन सभी श्रद्धालुओं का फूल माला से सभी का स्वागत किया भाजपा नेता मौ नगर परिषद उपाध्यक्ष पंकज कुशवाहा, दिलीप महाराज जी, महामंत्री सुल्तान मौर्य जी, युवा नेता दिलीप कुशवाहा जी, कार्यालय मंत्री डॉ. बेताल सिंह गौड़, अल्प.सं. मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष सोनू खान जी एवं कई कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

गणेश मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व मनाया

बेंगलुरू। ऱ्मैसूर रोड स्थित गणेश मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान शिव की पूजा अर्चना कर सभी को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं अर्पित कर अपने वक्तव्य में कहा भगवान शिव ही सत्य है प्रकाश है शिव का भाव ही कल्याण है आयोजकों ने महेंद्र मुणोत को सम्मानित किया।

100वां टेस्ट खेलने उतरे चेतेश्वर पुजारा, टीम इंडिया ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर, गावस्कर ने किया सम्मानित

नई दिल्ली भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में शुक्रवार (17 फरवरी) को शुरू हुआ। यह मैच भारत के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा का 100वां टेस्ट है। टीम इंडिया ने पुजारा के इस दिन को खास बना दिया। कप्तान रोहित शर्मा ने पुजारा को गार्ड ऑफ ऑनर देने का फैसला किया। खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ ने उनके लिए तालियां बजाईं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पुजारा का एक वीडियो शेयर किया है। इसमें टीम इंडिया के खिलाड़ी उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दे रहे हैं। उसके बाद पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने उन्हें सम्मानित भी किया। इस दौरान चेतेश्वर के पिता अरविंद पुजारा और पत्नी पूजा वहां मौजूद थीं। टीम इंडिया के सभी खिलाड़ी पुजारा के पीछे खड़े थे। पुजारा को मिला स्पेशल कैप गावस्कर ने 100वें टेस्ट को लेकर उन्हें एक स्पेशल कैप सौंपी। इस दौरान उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि पुजारा 100वें टेस्ट में शतक लगाएंगे। वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले पहले भारतीय बन सकते हैं।" पुजारा 100 टेस्ट मैच खेलने वाले भारत के 13वें खिलाड़ी बन गए। उनसे ज्यादा टेस्ट सचिन तेंदुलकर (200), राहुल द्रविड़ (163), वीवीएस लक्ष्मण (134), अनिल कुंबले (132), कपिल देव (131), सुनील गावस्कर (125), दिलीप वेंगसकर (116), सौरव गांगुली (113), विराट कोहली (106), इशांत शर्मा (105), हरभजन सिंह (103) और वीरेंद्र सहवाग (103) ने खेले हैं। गावस्कर ने की पुजारा की तारीफ पुजारा ने 100वां टेस्ट खेलकर पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन को पीछे छोड़ दिया। अजहर ने 99 टेस्ट खेले थे। पुजारा को सम्मानित करने के बाद गावस्कर ने कहा, ₹100वें टेस्ट क्लब में आपका स्वागत है। मैं कामना करता हूं कि आप अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बनें और दिल्ली में एक और जीत की नींव रखें।₹ पूर्व कप्तान ने भारत के लिए अपने शरीर को दांव पर लगाने के लिए पुजारा की सराहना की। उन्हें युवाओं का आदर्श बताया। 35 वर्षीय पुजारा ने 2010 में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। उनके नाम इस प्रारूप में सात हजार से ज्यादा और 19 शतक हैं। चेतेश्वर पुजारा ने क्या कहा? सम्मानित होने के बाद पुजारा ने कहा, "आप (गावस्कर) जैसे दिग्गजों ने मुझे प्रेरित किया है। एक युवा क्रिकेटर के रूप में मैंने हमेशा भारत के लिए खेलने का सपना देखा था, लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं भारत के लिए 100 टेस्ट मैच खेलूंगा। मेरा मानना है कि टेस्ट क्रिकेट खेल का सबसे बेहतर प्रारूप है। इसमें आपकी क्षमता की परीक्षा होती है। जीवन और टेस्ट क्रिकेट के बीच बहुत सारी समानताएं हैं। पुजारा ने आगे कहा, "यदि आप कठिन समय से लड़ सकते हैं, तो आप हमेशा शीर्ष पर आते हैं। मैं वास्तव में गर्व महसूस करता हूं और सभी युवाओं को कड़ी मेहनत करने और भारत के लिए टेस्ट खेलने के लिए कहता हूं। मेरे परिवार और दोस्तों को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद। बीसीसीआई, मीडिया और मेरे साथियों और सहयोगी स्टाफ को धन्यवाद।

रवींद्र जडेजा ने दिल्ली टेस्ट में किया कमाल, इमरान खान और कपिल देव से इस मामले में निकले आगे

नई दिल्ली । रवींद्र जडेजा ने दिल्ली टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में ओपनर बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को आउट कर दिया। ख्वाजा का शानदार कैच केएल राहुल ने लिया। जडेजा का टेस्ट में यह 250वां विकेट है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दिल्ली

के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। मैच के पहले दिन शुक्रवार (17 फरवरी) को जडेजा ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में ओपनर बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को आउट कर दिया। ख्वाजा का शानदार कैच केएल राहुल ने लिया। जडेजा का टेस्ट में यह 250वां विकेट है। जडेजा ने अपने 62वें टेस्ट में 250 विकेट पूरे किए। वह बल्लेबाजी में 2500 से ज्यादा रन बना चुके हैं। जडेजा टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 250 विकेट लेने के साथ-साथ 2500 से ज्यादा रन बनाने एशियाई क्रिकेटर बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने भारत के पूर्व कप्तान कपिल देव और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इमरान खान को पीछे छोड़ दिया। इमरान खान और कपिल देव का ऐसा है रिकॉर्ड जडेजा ने 2500 रन बनाने के साथ-साथ 250 विकेट 62 टेस्ट में ले लिए। इमरान खान को इसके लिए 64 टेस्ट खेलने पड़ गए थे। वहीं, कपिल देव ने 65 टेस्ट खेले थे। इस मामले में पहले स्थान पर इंग्लैंड महान ऑलराउंडर इयान बॉथम हैं। बॉथम ने 55 टेस्ट में ही यह उपलब्धि हासिल कर ली थी। उन्होंने 102 टेस्ट में 5200 रन बनाने के साथ-साथ 383 विकेट भी लिए थे। जडेजा ने छह महीने बाद की वापसी इमरान खान ने 88 टेस्ट में 3807 रन बनाए थे और 362 विकेट लिए थे। वहीं, कपिल देव ने 131 टेस्ट में 5248 रन बनाने के साथ-साथ 434 विकेट भी लिए थे। जडेजा की बात करें तो उन्होंने पेशेवर क्रिकेट में करीब छह महीने बाद वापसी की है। वह चोट के कारण लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहे। जडेजा ने नागपुर टेस्ट में शानदार वापसी की थी और मैन ऑफ द मैच बने थे। उन्होंने टेस्ट में कुल सात विकेट लेने के अलावा 70 रन भी बनाए थे।

सोने का आयात 76% घटकर 32 महीने के निचले स्तर पर पहुंचा, व्यापार घाटा कम करने में मिलेगी मदद

नई दिल्ली कारोबारियों का कहना है कि देश में शादियों का मौसम सोने की खरीदारी के लिए महत्वपूर्ण अवसर होता है। उपहार देने में इसका इस्तेमाल किया जाता है।?ऐसे में शादियों की वजह से आने वाले महीनों में सोने की मांग बढ़ सकती है। घरेलू बाजार में कीमतें बढ़ने और मांग में कमी से सोने का आयात जनवरी, 2023 में 76 फीसदी गिरकर 32 महीने के निचले स्तर पर आ गया।?आंकड़ों के मुताबिक, आयात में गिरावट से देश के व्यापार घाटे को कम करने में मदद मिलेगी। सरकारी सूत्र से गुरुवार को मिली जानकारी के अनुसार, जनवरी में कुल 11 टन सोने का आयात किया गया। एक साल पहले की समान अवधि में 45 टन सोना खरीदा गया था। मूल्य के लिहाज से जनवरी में 69.7 करोड़ डॉलर का सोना आयात किया गया, जबकि एक साल पहले 2.38 अरब डॉलर का आयात हुआ था। घरेलू बाजारों में इस साल सोने की प्रति 10 ग्राम कीमतें 58 हजार को पार कर गई थीं, जो इसका अब तक का उच्च स्तर है। हालांकि, इस समय इसकी कीमतें जरूर कम हुई हैं। लेकिन, कारोबारियों का मानना है कि शादियों के मौसम के कारण आगे सोने की मांग बढ़ सकती है। शादियों के मौसम में बढ़ सकती है मांग कारोबारियों का कहना है कि देश में शादियों का मौसम सोने की खरीदारी के लिए महत्वपूर्ण अवसर होता है। उपहार देने में इसका इस्तेमाल किया जाता है।?ऐसे में शादियों की वजह से आने वाले महीनों में सोने की मांग बढ़ सकती है। जनवरी में जूलर्स ने सोने की कम खरीदी की क्योंकि उन्हें उम्मीद थी कि बजट में आयात शुल्क घट सकता है। हालांकि, इस पर कोई फैसला नहीं हुआ और उल्टे चांदी पर आयात शुल्क में बढ़ोतरी कर दी गई। फरवरी में बढ़ सकता है आयात सराफा विशेषज्ञों का कहना है कि सोने की कीमतों में हाल-फिलहाल गिरावट आई है।?ऐसे में सोने की मांग बढ़ सकती है।?आयात शुल्क में कटौती नहीं होने के बावजूद बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए सराफा कारोबारी खरीदारी बढ़ा सकते हैं।?इससे फरवरी में सोने का आयात बढ़ सकता है। व्यापार घाटा कम होने से चालू खाता घाटे में आएगी नरमी नई दिल्ली। देश के व्यापार घाटे में कमी और बढ़ते सेवा व्यापार अधिशेष (सरप्लस) की वजह से चालू खाता घाटे (कैड) में नरमी आ सकती है। इन आंकड़ों ने कुछ अर्थशास्त्रियों को 2022-23 और अगले वित्त वर्षों के लिए देश के चालू खाता घाटे के अंतर के अपने अनुमानों को कम करने के लिए प्रेरित किया है। जनवरी में देश का व्यापार घाटा कम होकर एक साल के निचले स्तर 17.7 अरब डॉलर पर आ गया।

विराट के साथ रिश्ते पर बोले धवन- इगो पर ले लोगे तो टसल होगी ही.. कप्तानी पर कही यह बात

नई दिल्ली शिखर धवन ने विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी का फर्क भी बताया। दिल्ली की रणजी टीम में धवन विराट से सीनियर खिलाड़ी थे, लेकिन टीम इंडिया में वह लंबे समय तक कोहली की कप्तानी में खेले। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज शिखर धवन टीम के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। 37 साल के धवन का अंतरराष्ट्रीय करियर लगभग खत्म हो चुका है, लेकिन आईसीसी टूर्नामेंट में उन्होंने भारत के लिए कई यादगार पारियां खेली हैं। वनडे और टी20 में उन्होंने रोहित शर्मा के साथ मिलकर कई रिकॉर्ड बनाए। धवन उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से एक हैं, जो धोनी और कोहली की कप्तानी में खेले हैं। धवन ने रोहित शर्मा को भारतीय टीम का कप्तान बनते भी देखा और उनकी गैरमौजूदगी में टीम की कमान भी संभाली। अब धवन ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में धोनी और कोहली की कप्तानी के बारे में बताया है और कोहली के साथ अपने रिश्ते पर भी खुलकर बात की। धोनी एकमात्र कप्तान हैं, जिन्होंने टी20 विश्व कप, वनडे विश्व कप और चैपियंस ट्रॉफी जीती है, जबकि कोहली भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान हैं। हालांकि, दोनों की कप्तानी का अंदाज काफी अलग था। धवन ने इस बारे में अपने अनुभव साझा किए। धवन ने बताया कि कोहली केवल 16 या 17 साल के थे, जब उन्होंने दिल्ली के लिए रणजी ट्रॉफी में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। धवन ने देखा कि युवा कोहली में उस समय काफी आत्मविश्वास था। विराट कोहली और शिखर धवन धवन से पूछा गया कि कोहली के कप्तान बनने के बाद उनके रिश्ते कैसे बदले तो उन्होंने कहा ₹अगर इगो पर ले लोगे तो टसल आएगी ही आएगी। ये तो इगो की बात आ गई ना।₹ धवन ने बताया कि अगर मैं यह सोचता रहा कि मैं सीनियर हूं और मैं उनके नीचे खेल रहा हूं। तब इगो होगा। मेरे लिए यह सब छोटी सोच है और इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। यह किसी काम का नहीं है। विराट मेरा अच्छा दोस्त है। हमारी अच्छी बनती है और हम हमेशा मजाक करते रहते हैं। वह टीम इंडिया में एक सीनियर खिलाड़ी है। मैं उसकी टांग खींच सकता हूं, युवा खिलाड़ी ऐसा नहीं कर सकते। वह एक बड़ा खिलाड़ी है। धोनी और विराट की कप्तानी पर धवन ने कहा ₹सभी अलग-अलग तरह के खिलाड़ी हैं। धोनी बेहद शांत स्वभाव के हैं। वह हमेशा अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते थे। धोनी का शांत व्यक्तित्व है। वह दबाव की स्थिति में शांत रहते थे। ऐसा नहीं है कि वह स्टंप्स के पीछे से ही खेल को पढ़ सकते हैं। एक खिलाड़ी जो खेल की अच्छी समझ रखता है, वह मैदान पर किसी भी जगह से मैच को पढ़ सकता है। यही उस व्यक्ति की बुद्धिमानी है। विराट की बात करें तो उनका किरदार अलग है। वह हमेशा आक्रामक बल्लेबाज रहे हैं। उन्हें आक्रामकता दिखाने का भी शौक है। इसलिए वह उस चरित्र के कप्तान रहे हैं।₹ विराट कोहली-शिखर धवन वनडे और टी20 में सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक धवन ने 2013 में टीम इंडिया में दमदार वापसी की थी और लगभग एक दशक तक टीम के साथ जुड़े रहे। 2021 में उन्होंने भारत की कप्तानी भी की और 2022 में भी वह टीम इंडिया के कप्तान रहे। हालांकि, अब युवा खिलाड़ियों को मौका देने के लिए धवन को टीम से बाहर कर दिया गया है। धवन ने भारत के लिए वनडे में 6,793 रन बनाए हैं। वहीं 68 टी20 में 1759 रन बनाए हैं। पंजाब किंग्स के कप्तान धवन ने देश के लिए 34 टेस्ट मैच भी खेले हैं।

ग्लोबल मार्केट में कमजोरी से बाजार फिसला, सेंसेक्स 300 अंक टूटा, निफ्टी 18000 के नीचे

नई दिल्ली। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 340.89 अंकों की गिरावट के साथ 60,978.62 अंकों के लेवल पर कारोबार करता दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 92.20 अंक फिसलकर 17,943.65 अंकों के लेवल पर कारोबार कर रहा है। वैश्विक बाजार में बिकवाली के बाद घरेलू शेयर बाजार में भी कमजोर शुरूआत हुई है। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 340.89 अंकों की गिरावट के साथ 60,978.62 अंकों के लेवल पर कारोबार करता दिख रहा है। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 92.20 अंक फिसलकर 17,943.65 अंकों के लेवल पर कारोबार कर रहा है। रुपया शुरूआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले 8 पैसे कमजोर होकर 82.78 रुपये के लेवल पर कारोबार करता दिखा। शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों का हाल अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की आशंका से एशियाई बाजारों में बड़ी कमजोरी आई है। भारतीय बाजार में आई, फार्मा और पीएसयू बैंकिंग सेक्टर के शेयर फिसले हैं। निफ्टी के टॉप लूजर्स शेयरों की लिस्ट में नेस्ले इंडिया का शेयर 3.5% गिरावट के साथ सबसे गुरुवार को ऊपरी स्तरों से फिसल गया था बाजार इससे पहले बीते कारोबारी दिन यानी 16 फरवरी को बाजार में ऊपरी स्तरों से जोरदार गिरावट दर्ज की गई थी।

स्टिंग ऑपरेशन के बाद चेतन शर्मा का इस्तीफा, भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता का पद छोड़ा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना इस्तीफा बीसीसीआई सचिव जय शाह को भेजा। जय शाह ने उनका इस्तीफा स्वीकार भी कर लिया है। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा ने स्टिंग ऑपरेशन के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एक स्टिंग ऑपरेशन में चेतन शर्मा ने भारतीय टीम और खिलाड़ियों से जुड़े कई खुलासे किए थे। इसके बाद वह लगातार विवादों में बने हुए थे। अब उन्होंने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की चयन समिति के अध्यक्ष का पद छोड़ दिया है। चेतन शर्मा ने अपने अपना इस्तीफा बीसीसीआई सचिव जय शाह को भेजा है और उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। उन्हें सात जनवरी 2023 को दूसरी बार भारतीय टीम की चयन समिति का अध्यक्ष चुना गया था। इसके लगभग एक महीने बाद ही उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा है। दो बार भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता बने हैं, लेकिन दोनों बार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके हैं। अब चेतन शर्मा की जगह शिवशरण दास को अंतरिम मुख्य चयनकर्ता बनाया जा सकता है। चेतन शर्मा ने एक टीवी चैनल के स्टिंग ऑपरेशन में विराट कोहली और सौरव गांगुली के रिश्ते से लेकर खिलाड़ियों के इंजेक्शन लेने सहित कई मामलों पर गंभीर खुलासे किए थे। चेतन शर्मा ने कहा था कि भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी 80 प्रतिशत फिट होने पर इंजेक्शन लेते हैं और 100 प्रतिशत फिट हो जाते हैं। ये पेन किलर नहीं होते हैं। इन इंजेक्शन में ऐसी दवा होती है जो डोप टेस्ट में नहीं पकड़ी जाती है। नकली फिटनेस के लिए इंजेक्शन लेने वाले इन सभी खिलाड़ियों के पास बाहर भी डॉक्टर होते हैं। चेतन शर्मा ने यह भी आरोप लगाया था कि पिछले साल सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए स्ट्रेस फ्रैक्चर से बुमराह की वापसी को लेकर उनके और टीम मैनेजमेंट के बीच मतभेद थे। बुमराह अभी भी एक्शन से बाहर हैं और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज से बाहर हो चुके हैं। वह भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज में भी नहीं खेलते दिखेंगे। कोहली-गांगुली के रिश्ते पर भी बोले थे चेतन शर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व कप्तान कोहली और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली के बीच अहंकार की लड़ाई थी। चेतन ने कोहली के कप्तानी विवाद पर खुलासा करते हुए कहा था- कोहली को लगा था कि सौरव गांगुली की वजह से उन्हें कप्तानी गंवानी पड़ी, लेकिन ऐसा नहीं है। चयन समिति की वीडियो कॉन्फ्रेंस में कई लोग थे, तब गांगुली ने कोहली से कहा था- फैसले को लेकर एक बार सोच लो। मुझे लगता है कि कोहली ने इसे नहीं सुना बीसीसीआई ने इस मामले को गंभीरता से लिया, क्योंकि चीफ सेलेक्टर चेतन ने कई विवादित दावे किए थे। बोर्ड के साथ कॉन्ट्रैक्ट में रहते हुए किसी भी खिलाड़ी या अधिकारी को मीडिया में किसी भी निजी मामले पर बातचीत की इजाजत नहीं होती है। चेतन ने इसका उल्लंघन किया था। इसी वजह से उन्हें अब इस्तीफा देना पड़ा है। पहले भी विवादों में रहे हैं चेतन चेतन शर्मा की अगुआई वाली चयन समिति को पिछले साल ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप के बाद बर्खास्त कर दिया गया था। इस विश्व कप में भारतीय टीम सेमीफाइनल में हार गई थी ।

थोड़ी देर में सपना गिल की कोर्ट में पेशी, अंधेरी कोर्ट ले जा रही है पुलिस

नई दिल्ली। इस मामले में गुरुवार को सपना गिल की गिरफ्तारी हुई थी। थोड़ी देर में सपना की कोर्ट में पेशी होगी। पुलिस उन्हें अंधेरी कोर्ट ले जा रही है। मुंबई में पृथ्वी शॉ और सपना गिल के बीच हुई झड़प का मामला कोर्ट पहुंच चुका है। ओशिवारा पुलिस ने मामले में आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया था। इस मामले में गुरुवार को सपना गिल की गिरफ्तारी हुई थी। अब शुक्रवार को थोड़ी देर में सपना की कोर्ट में पेशी होगी। पुलिस उन्हें अंधेरी कोर्ट ले जा रही है। सपना पर मुंबई में पृथ्वी शॉ द्वारा दूसरी बार सेल्फी लेने के लिए हामी नहीं भरने पर उन पर हमला करने और उनकी गाड़ी तोड़ने का आरोप है। क्या है पूरा मामला? भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ पर कथित रूप से हमला करने के लिए आठ लोगों पर मामला दर्ज किया गया था। इनमें दो की पहचान सपना और शोभित ठाकुर के रूप में हुई थी। दरअसल, शिकायतकर्ता के अनुसार, शॉ अपने दोस्तों के साथ डिनर के लिए एक फाइव स्टार होटल में गए थे, तभी कुछ अज्ञात लोग उनकी टेबल के पास आए और सेल्फी लेने पर जोर दिया। पृथ्वी ने दो लोगों के साथ सेल्फी भी ली, लेकिन कुछ देर बाद वही समूह फिर से सेल्फी लेने की मांग करते हुए वापस आ गया। शॉ ने यह कहते हुए मना कर दिया कि वह दोस्तों के साथ खाना खाने आया है और परेशान नहीं करना चाहता। जब उन्होंने सेल्फी लेने की जिद की तो पृथ्वी के दोस्त ने होटल मैनेजर को फोन कर उनकी शिकायत की। इसके बाद होटल मैनेजर ने आरोपी को होटल से चले जाने को कहा। पृथ्वी शॉ विवादों में फंस गए हैं जब शॉ और उसका दोस्त रात का खाना खाने के बाद होटल से बाहर आए, तो आरोपी होटल के बाहर इंतजार कर रहे थे और उन पर बेसबॉल के बल्ले से हमला किया और उनकी कार के आगे और पीछे के शीशे तोड़ दिए। शॉ के दोस्त की कार को जोगेश्वरी के लोटस पेट्रोल पंप के पास रोका गया, जहां एक महिला कार के पास आ गई और गाली-गलौज करने लगी। शिकायतकर्ता ने आगे दावा किया कि महिला ने 50,000 रुपये की भी मांग की, नहीं तो वह झूठा मामला दर्ज कराएगी। घटना के बाद शिकायतकर्ता ओशिवारा थाने पहुंचा और मामला दर्ज कराया। आगे की जांच चल रही है। सपना के वकील का आरोप इसी बीच सपना के वकील का आरोप है कि पृथ्वी शॉ ने शराब पी रखी थी और उन्होंने सपना को बैट से भी मारा। न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए सपना गिल के वकील अली काशिफ खान देशमुख ने पृथ्वी शॉ पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा- फाइव स्टार होटल में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर सपना गिल पृथ्वी शॉ के साथ सेल्फी लेने के लिए एक फैन के रूप में उनके पास गईं थीं। पृथ्वी तब पार्टी कर रहे थे और नशे में थे और उनके हाथ में एक बैट भी था। उन्होंने सपना को उसी बैट से मारा भी। फिर वह पुलिस के पास गए और मामला दर्ज कराया। सपना गिल वकील ने आगे कहा कि वे क्रिकेटर के खिलाफ मामला दर्ज करेंगे। काशिफ ने कहा- अब हम पृथ्वी शॉ के खिलाफ मामला दर्ज करेंगे क्योंकि वह नशे में थे। उन्होंने नशे की हालत में कार भी चलाई और हमें यह भी पता चला कि उन्होंने एक बाइक को भी टक्कर मारी थी। उन्होंने सपना को बल्ले से पीटा है। हम उन पर धारा 354, 509 और 334 के तहत मामला दर्ज करेंगे। सपना गिल और पृथ्वी शॉ का आपस में कोई पुराना संबंध नहीं है। वह सिर्फ उनके साथ एक सेल्फी लेने गई थी। हम इन्फ्लुएंसर की जमानत लेने की कोशिश कर रहे हैं और फिर हम पृथ्वी के खिलाफ एफआईआर फाइल करेंगे।

मामा गोविंदा से रीयूनियन करना चाहते हैं कृष्णा अभिषेक

बॉलीवुड के फेमस कॉमेडियन कहे जाने वाले कृष्णा अभिषेक भले ही आज इंडस्ट्री के जाने-माने नाम बन चुके हैं। लेकिन एक समय ऐसा भी था जब कृष्णा इंडस्ट्री में अपने मामा और बॉलीवुड के बेस्ट डांसर कहे जाने वाले गोविंदा के नाम से जाने जाते थे। लेकिन अब ऐसा भी वक्त आ गया हैं की मामा और भांजे में इतनी दूरियां आ गयी है की दोनों एक दूसरे से बात तक नहीं कर रहे हैं। लेकिन अब इस बीच कृष्णा ने मामा से रीयूनियन का मन बना लिया हैं। दरअसल हाल में एक मीडिया ग्रुप को दिए इंटरव्यू में कृष्णा अपने मामा के साथ रीयूनियन की बातें करते हुए दिखाई दिए थे। जहां कृष्णा ये कहते दिखे की वह मेरे मामा हैं और मुझे पता है कि जल्द या बाद में हम एक साथ वापस आएंगे। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि खून पानी से ज्यादा गाढ़ा होता है और इसमें हमें फिर से मिलाने की ताकत होती है. कृष्णा ये भी कहते हैं कि वह गोविंदा के उनके पास आने का इंतजार कर रहे हैं कि वे उन्हें गालियां दें और उनके बीच चीजों को सुलझाएं। कॉमेडियन की अपने मामा गोविंदा के साथ एक इमोशनल रियूनियन की इच्छा है. वे कहते हैं कि जिस तरह फिल्म ह्यकभी खुशी कभी गमह्ल में जया बच्चन और शाहरुख खान की रीयूनियन हुई थी वैसे ही वे अपने मामा के साथ भी चाहते हैं. वे कहते हैं, मैं ऐसा कुछ हो जाए का इंतजार कर रहा हूं. हम कहीं ना कहीं मिल जाएंगे ऐसे. बता दे की लम्बे समय से कृष्णा और उनके मामा गोविंदा के बीच बात-चित बंद हैं। दरअसल ये पूरा माजरा किसी पारिवारिक विवाद को लेकर शुरू हुआ था। जिसके वजह से कृष्णा के परिवार और गोविंदा के परिवार में बात-चित बंद हैं। हालाँकि अब देखना काफी दिलचस्प होने वाला है की आखिर कब ये भरत मिलाप होता है। और ये मिलाप कभी खुशी कभी गम के स्टाइल में होता है या नहीं ये देखने काफी दिलचस्प होने वाला हैं।

टीवी सीरियल गुम है किसी के प्यार में, दो सालो का सफर पूरा होते ही नील भट्ट ने चुप्पी तोड़ दिया हेटर्स को जवाब

स्टार प्लस का मोस्ट पॉपुलर टीवी शो गुम है किसी के प्यार में इन दिनों अपने क्लाइमैक्स और एंटरटेनमेंट के चलते खूब चचाओं में नजर आ रहा है। वही शो के एक्टर विराट और पाखी के रिश्तों के चलते शो पहले से ही आए दिन ट्रोल होता नजर आता है। बता दे ऐश्वर्य और नील टॉप 5 जोड़ियों में से एक है। हाल ही में इस शो को पूरे दो साल हो गए है इस खास मौके पर सीरियल के सेट पर एक खास सेलिब्रेशन हुआ जहा शो के कास्ट एंड क्रू से लेकर डायरेक्टर तक शो में नजर आए। इस दौरान सभी को शो के सफर का भाग बनने के लिए अवार्ड दिया गया। वही सीरियल अपनी एसीपी की भूमिका में नजर आने वाले विराट उर्फ नील भट्ट ने शो के दौरान अपना अनुभव शेयर किया साथ ही अपने हेटर्स और ट्रॉलर्स को करारा जवाब दिया। दरअसल, पाखी और विराट रियल लाइफ में हसबैंड वाइफ है, और शो में पाखी का नेगेटिव रोल जिस कारण उनको पसंद नहीं किया जाता। नील भट्ट ने अपनी बात रखते हुए कहा मैं पिछले दो सालों से गुम है किसी के प्यार में का हिस्सा बनने के लिए आभारी हूं। यह शो उन सभी की मदद के बिना संभव नहीं होता, जिन्होंने इस पर काम किया हैं। जब भी अच्छे लोग एक साथ आते हैं, तो रिजल्ट भी अच्छा ही होता है। गुम है किसी के प्यार में का हिस्सा बनना एक रोलरकोस्टर राइड रही है। इसके बाद नील ने नहा मैं अपने समर्थकों का आभारी हूं जिन्होंने मेरे इस किरदार को और मुझे काफी पसंद किया, इस सफर का दो साल तक हिस्सा बनना बड़ी बात है और मैं उन सभी फैंस का आभारी हु जिन्होंने मुझे मेरी जर्नी और किरदार को पसंद किया।

टीवी एक्टर, नमिश तनेजा ने किया एक साल बाद इंडस्ट्री में डेब्यू मैत्री के लीड एक्टर बन आए सामने

हाल ही में जी टीवी पर नया धारावाहिक मैत्री लॉन्च हुआ है, इस शो में मैत्री और नंदिनी दो सहेलियों की दोस्ती और सफर को दिखाया गया है। बता दे यह कहानी है, प्रयागराज की पृष्ठभूमि में रचे-बसे शो ह्यमैत्रीह्य की जहां दो सहेलियां एक दूसरे को दिल से बहने मानती है। बचपन से ही इन दोनों पक्की सहेलियों के बीच एक अटूट रिश्ता रहा है, दोनों एक दूसरे के साथ जिन्दगी के हर पड़ाव में खड़ी दिखाई देती है, लेकिन शो की कहानी देख लगता है जैसे उनकी दोस्ती के लिए जिंदगी ने कुछ और ही सोच रखा है। जहां कहानी में एक तरफ दो सहेलियों का प्यार बहनो के रूप में दिखाया गया है, ऐसे में एक अजीब मोड़ शो टर्न लेता नजर आएगा मानो दोनों सहेलियों के प्यार को किसी की नजर लग गई हो। शो में दोनों एक दूसरे के आमने-सामने नजर आने वाली है, आखिर इन दोनों पक्की सहेलियों के बीच ऐसा क्या हुआ होगा कि वो एक दूसरे के खिलाफ हो गई हैं? बता दें इस शो की कहानी देश भर के दर्शको के दिलों को छूने वाली है खास कर युवा जनरेशन क्योकि शो में दो सहेलियों के प्यार भरे बांड के बीच एंट्री होती है हीरो की, जिसके बाद शो में बड़ा ट्विस्ट देखने को मिलेगा। वही बात करे शो के किरदारों की, शो में नमिश तनेजा आशीष के किरदार यानि नंदिनी के पति का रोल निभा रहे हैं। साथ ही भाविका चौधरी, श्रेनु पारिख, जान खान और अनन्या खरे जैसे दमदार कलाकारों के अलावा बाकी के कलाकार भी शामिल हैं।वैसे तो इस पॉपुलर स्टार ने कम उम्र में काफी मुकाम हासिल किए है पर ज्यादातर रोमांटिक किरदारों में दिखने वाले नमिश इस शो में वकील के किरदार में नजर आ रहे है। इस शो में वो एक फैमिली मैन हैं, जो सबका ख्याल रखने वाले और सबसे प्यार करने वाले इंसान हैं। वो कभी किसी भी चीज के लिए अपने मूल्यों और सिद्धांतों से समझौता नहीं करते। नंदिनी के पति होने के नाते वो नंदिनी की बेस्ट फ्रेंड मैत्री के भी करीब हैं।

रिलीज के पहले ही दिन एंट मैन 3 ने दी एडवांस बुकिंग में शहजादा को मात

बॉलीवुड की मोस्ट अवेटेड मूवी शहजादा आज फिल्मी पर्दो पर अपना जलवा बिखेरने आ चुकी हैं। वही इसको बराबरी की टक्कर देने वाली हॉलीवुड फिल्म श्एंट मैन 3श की रिलीज डेट भी आज की ही हैं। सिनेमा लवर्स के लिए 17 फरवरी का दिन कई मायनों में खास होने वाला है। क्योकि आज ही के दिन पर सिनेमघरो में 2 बड़ी मूवीज के बीच बराबरी की टक्कर देखने को मिलेगी साथ ही पता चलेगा की किस फिल्म का पलड़ा आज कमाई के टोकरे से भरता नजर आता हैं। हॉलीवुड प्रेमियों के लिए रिलीज हुई इस फिल्म की एडवांस बुकिंग के साथ ही फर्स्ट डे फर्स्ट रिएक्शन भी सामने आ गए हैं। एंट मैन 3 अमेरिकन सुपरहीरो की एक मूवी है, जिसकी कहानी मार्वल कॉमिक्स पर आधारित है। एंट मैन सीरीज की अब तक की सभी फिल्मों को दर्शकों द्वारा बेशुमार प्यार मिला है साथ ही फिल्म ने वर्ल्डवाइड लेवल पर ताबड़तोड़ कलेक्शन किया हैं। मार्वल सिनेमैटिक्स की यह 31वीं फिल्म है, जिसके तीसरे पार्ट को अबतक दर्शकों का मिलाजुला रिस्पांस मिल रहा है। हालांकि कुछ लोगों ने फिल्म की बुराई भी की है। एक यूजर ने इस मूवी को बोरिंग बताया है। एक अन्य यूजर ने कहा कि हर वक्त मोदक नाम का कैरेक्टर स्क्रीन पर प्ले हो रहा था ऐसे करते दर्शको के फिल्म पर मिक्सिंग रिएक्शन सामने आ रहे हैं। आई डेवी नाम के यूजर ने ट्वीट किया कि जब उन्होंने एंट मैन के लिए टिकट बुक किया, तो उन्हें बताया गया कि थिएटर फुल है। लेकिन जब वह हॉल में गए, तो सीटें खाली पड़ी थी जोकि उनको बेहद शॉकिंग लगा। फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने शुक्रवार अपने एक ट्वीट के जरिये जानकारी दी थी कि एडवांस बुकिंग में एंट मैन 3 के एक लाख से भी ज्यादा टिकट बैके जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि नेशनल चेन (पीवीआर, आईनाक्स में गुरुवार रात 11 बजे तक एंट मैन एंड द वास्प के 1,06,500 टिकट बिक गए। वहीं, शहजादा के 25,825 और चौथे शुक्रवार तक श्पठानश के 17,400 टिकट बिके हैं।

तुनीषा शर्मा मामले में पुलिस ने दायर की 524 पेज की चार्जशीट, शीजान खान को बनाया आरोपी

तुनीषा शर्मा की डेथ ने पूरी टीवी इंडस्ट्री को सदमे में डाल दिया है। काफी समय बीत जाने के बाद भी ये केस अभी तक सुलझ नहीं पाया है। हालांकि, पुलिस इस केस को सॉल्व करने करने में जुटी हुई है। ऐसे में तुनीषा शर्मा डेथ केस को लेकर अब एक बड़ा अपडेट सामने आया है। तुनिषा शर्मा के कथित आत्महत्या मामले में मुंबई पुलिस ने गुरुवार को चार्जशीट दाखिल की है। आपको बता दें, इस केस में एक्टर और तुनीषा शर्मा के एक्स बॉयफ्रेंड शीजान खान मुख्य आरोपी हैं और अभी तक वो जेल में कैद हैं। वही, आज शीजान खान की जमानत याचिका पर बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शीजान ने इससे पहले वसई कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की थी, मगर अदालत ने उस याचिका को खारिज कर दिया था। इसके बाद शीजान खान ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दूसरी ओर पुलिस ने तुनिषा शर्मा केस में शीजान खान के खिलाफ 524 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की है। आपको बता दें, चार्जशीट के बारे में ज्यादा जानकारी तो अभी तक सामने नहीं आई है, लेकिन खबरे हैं कि इसमें आरोपी शीजान खान के साथ चौट्स का जिक्र है, जिससे कई राज खुलने की उम्मेदे हैं। ऐसे में इस चार्जशीट के दाखिल होने से शीजान खान की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। आपको बता दें, अब ऐसा कहा जा रहा है कि शीजान की जमानत पर आज सुनवाई होगी, जिसमें उन्हें बेल या जेल मिलने का फैसला होगा। तो दूसरी तरफ तुनिषा शर्मा केस में अगली सुनवाई 23 फरवरी को बताई जा रही है। याद दिला दें, तुनिषा शर्मा ने श्अली बाबारू दास्तान-ए-काबुलश के सेट पर 24 दिसंबर को आत्महत्या कर ली थी। तुनिषा और शीजान का कुछ वक्त पहले ही ब्रेकअप हुआ था। ऐसे में शीजान खान पर एक्ट्रेस को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप लगाकर पुलिस ने 25 दिसंबर को गिरफ्तार किया था। इस केस में तुनीषा शर्मा और शीजान खान दोनों की ही फैमिली अपनी-अपनी कहानी सुना चुकी है। तुनीषा की मां ने जहां इस केस में शीजान और उसके घरवालों पर कई सगीन आरोप लगाए थे। वहीं, शीजान के परिवार ने भी अपनी सफाई देते हुए तुनीषा की मां पर पलटवार किया था।

बिग बॉस जीतने के बाद इंडिया टूर पर निकले एम सी स्टेन , यहां करेंगे अपना अगला शो

बिग बॉस 16 का खिताब अपने नाम करने वाले एम सी स्टेन ने बिग बॉस का काफी सालो का रिकॉर्ड तोड़ वोट्स पाए। जहां एक ओर रूमर्स की माने तो लगातर ये खबरे आ रही थी की इस सीजन की विनर सिर्फ प्रियंका चाहर चौधरी ही होंगी वही एम सी की जीत ने सबको एक दम अपनी जीत के बल से हिलाकर रख दिया। साढ़े चार महीने चले इस शो में एमसी स्टैन का एक अलग अंदाज दर्शकों और उनके फैंस को काफी खास पसंद आया। यही वजह रही कि बिग बॉस में ज्यादा एक्टिव न रहने के बावजूद भी फैंस ने उनका साथ नहीं छोड़ा और अपने पसंदीदा कंटेस्टेंट को जीता ही दिया। हालांकि साढ़े चार महीने चले बिग बॉस 16 के दौरान एमसी अपना कोई शो नहीं कर पाए जिसके कई और भी कारण थे लेकिन मैन कारण बिग बॉस ही था। अब घर से बाहर आने के बाद एमसी ने अपने फैंस के लिए अलग-अलग जगह शोज करने का फैसला किया है। रैपर स्टैन मार्च से लेकर मई तक लगातार तीन महीने अलग-अलग शहरों में अपने शोज करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जी हाँ...! इस बात की जानकारी खुद एमसी स्टैन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से पोस्ट शेयर कर दी हैं, की जल्द ही रैपर अपने पॉपुलर रैप सॉन्ग श्बस्ती का हस्तीश के लिए ये टूर करेंगे। एमसी ने पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, बस्ती का हस्ती इंडिया टूर!!!! फाइनली!! रोड पर वापस.. दिल से शुक्रिया इतने प्यार के लिए। मिलते हैं सबको जल्दी इन। राडे डालेंगे मिलकर। अपने अगले शो की घोषणा करते हुए एमसी स्टैन ने ये भी बताया कि उनके शो के टिकट वेबसाइट बुक माय शो पर उपलब्ध हैं जहां जाकर उनके फैंस उनके अगले शो के लिए टिकट्स बुक करवा सकेंगे। बता दे कि उनके फैंस भी उनके इस शो का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और जल्द ही एमसी स्टैन की काम पर वापसी चाहते हैं। बात करे रैपर के शोज प्लेस कि तो, एमसी स्टैन मार्च से अपने इंडिया टूर पर निकलेंगे। जिसमे तारीक 3 मार्च को पुणे से उनकी जर्नी की शुरूआत होगी। जिसके बाद 5 मार्च को मुंबई, 10 मार्च को हैदराबाद और 11 मार्च को बैंगलोर, 17 मार्च को इंदौर, 18 मार्च को नागपुर, 28 अप्रैल को अहमदाबाद, 29 अप्रैल को जयपुर, 6 मई को कोलकाता और 7 मई को दिल्ली में शो करते नजर आएंगे एमसी।जहां एक एमसी स्टैन के शोज का उनके फैंस को बेसब्री से इंतजार है वहीं एमसी के पोस्ट पर उनके कई फैंस जल्द ही उन्हें शो करने के लिए कमेंट कर अपनी बेकरारी जताते हुए नजर आ रहे हैं।

कम्प्यूटराइज्ड करने से मप्र में बिजली कम्प्लेंट व्यवस्था ठप्प : उपभोक्ता परेशान

मध्यप्रदेश की बिजली कंपनी रोजाना नये नये प्रयोग कर जनता को ठगने का प्रयास करती रहती है। अभी तक मेन्युअल रूप से चल रहा कॉल सेंटर अब पूर्ण रूप से कम्प्यूटराइज्ड कर दिया है। अब जनता की शिकायत बिना आईवीआरएस नंबर के नहीं होगी और ना ही उपभोक्ता अपनी शिकायत की स्थिति को कॉल सेंटर से पता कर सकेगा। इतना ही नहीं कभी अगर कोई बडी दुर्घटना बिजली के शार्ट सर्किट के कारण हुई तो उपभोक्ता बिजली कंपनी के कॉल सेंटर को नहीं बता सकेगा और बडी दुर्घटना से जन हानि तक हो सकती है। बिजली शिकायतें कम्प्यूटराइज्ड करने से आम उपभोक्ता परेशान है और उनकी शिकायतें ही दर्ज नहीं हो पा रहीं हैं।

बिजली कंपनी रोजाना नये नये कारनामे करते रहते हैं। इसी के चलते अब बिजली कंपनी ने शिकायतें कम करने के लिए एक नया फार्मूला अपनाया है इसके तहत कॉल सेंटर का कम्प्यूटर तब तक आगे नहीं बढेगा जब तक उसे एन हटाकर आईवीआरएस नंबर को नहीं बताया जायेगा। अब पूरे प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को अपना आईवीआरएस नंबर साथ में रखना होगा क्योंकि यदि वह घर पर नहीं है और बिजली कंपनी में फाल्ट की भी शिकायत करना चाहते हैं तो उन्हें आईवीआरएस नंबर बताना ही पडेगा नहीं तो उनकी शिकायत ही दर्ज नहीं होगी। इतना ही नहीं यदि कोई खंबे पर आग बिजली के शार्ट सर्किट से लग जाती है तो बिना आईवीआरएस के सूचना तक बिजली विभाग को नहीं मिल सकेगी और

यदि बडी दुर्घटना हो गई तो उसके लिए कौन जिम्मेदार होगा यह तक तय नहीं हो सका है। उधर विभागीय सूत्र बताते हैं कि इससे पूरे राज्य में शिकायतों की संख्या में एकदम गिरावट आ गई है। इससे मंत्री ने अपनी छवि तो कम शिकायतों के नाम पर बना ली लेकिन उसने यह नहीं बताया कि इसके पीछे आईवीआरएस नंबर का जरूरी करना है। सूत्र बताते हैं कि इससे अब बिना पढे लिखे और कम पढे लिखे उपभोक्ता बिजली की समस्या की शिकायतें नहीं कर सकेंगे और उन्हें शिकायत करने या अपनी समस्या को ठीक कराने पास के बिजली घर जाना ही होगा। इससे उसका समय तथा पैसा लगेगा। बताया जाता है कि कॉल सेंटर को सरलीकरण कर शिकायतों का निराकरण करना चाहिये जबकि वह समस्या को और बढाते जा रहे हैं। बिजली घर के एक कर्मी ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि बिजली कंपनी अब कार्य का निराकरण जल्दी करने के बजाय बढा रही है। उसने बताया कि यदि बीच महानगर में कहीं हाईटेंशन लाइन पर कोई फाल्ट आता है या जंपर टूट जाता है तो अब एलटी छोटी लाइन पर काम करने वाले उसे ठीक नहीं करेंगे इसके लिए अब हाईटेंशन लाइन का स्टॉफ अलग से नियुक्त किया गया है। अभी तक एलटी लाइन पर काम करने वाले ही परमिट लेकर बिजली बंद कराकर जंपर आदि बांध देते थे लेकिन अब वह फाल्ट देखकर चले जायेंगे और जब एचटी लाइन का स्टॉफ आयेगा तब जाकर आपकी समस्या हल होगी। इतना ही नहीं कॉल सेंटर शिकायत दर्ज होने के बाद भी यह नहीं बता सकता है कि कितनी देर में स्टॉफ काम कर समस्या का निदान करेगा। वहीं गर्मियों में जब कूलर पंखे और एसी चलेंगे तब बिजली के फाल्ट ज्यादा होंगे तो ऐसे में बिजली का परमिट नहीं मिलने पर लगातार पैसा दे रहा बिजली उपभोक्ता घंटों तक सफर करेगा। सब कुल मिलाकर बिजली कंपनी अपनी नाकामी छिपाने नये नये प्रयोग कर रही है। जिससे उपभोक्ताओं को ही ज्यादा सफर करना पडेगा और अभी तक जो समस्या का निदान आधे से एक घंटे में हो जाता था अब उपभोक्ताओं को चार सं पांच घंटे तक अपनी समस्या ठीक कराने इंतजार करना होगा।

मुख्यमंत्री चौहान ने कूनों सेंचुरी में दक्षिण अफ्रीका से आये चीतों को छोड़ा

ग्वालियर। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि भारत में चीतो की वापसी से अब जैव विविधता की टूटी कडी जुड गई है। यह सब हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से संभव हो सका है, उन्होने कहा कि कूनों सेंचुरी में अब 20 चीते हो जाने से एशिया में भारत का कूनो सेंचुरी आकर्षण का केन्द्र बनेगा। मुख्यमंत्री चौहान शिवरात्रि के पावन पर्व पर कूनों सेंचुरी में दक्षिण अफ्रीका से आये 12 चीतों में से दो चीतों को केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र सिंह यादव, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर, प्रदेश के वन मंत्री डॉ कुंवर विजय शाह की गरिमामयी मौजूदगी में पिंजरों से चीतो को छोड रहे थे। जैसे ही मुख्यमंत्री ने पिंजरे से चीते को छोडा वह बाडे में विचरण करने लगा। क्वारंटाईन पीरियड खत्म होने के बाद इन्हें स्वछंद विचरण के लिए आजाद किया जायेगा। छोडे गये चीतों को देखने के लिए कूनों ने भारी तादाद में लोग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कूनों सेंचुरी में चीता प्रोजेक्ट लाकर बहुत बडी सौगात दी है, मैं प्रधानमंत्री जी को हृद्य से आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने कहा कि आज दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते आये है, इन्हें मिलाकर अब कूनों सेंचुरी में 20 चीते हो गये है। मैं केन्द्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र सिंह यादव को भी धन्यवाद देता हूँ। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व में आये 08 चीते स्वभाविक जीवन जी रहे है, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के पर्यावरण को बचाने की सोच के साथ हमें सभी वन्य प्राणियों को बचना है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण बचाने की दृष्टि से कूनों में टूरिज्म तेजी से बढेगा। यहां आर्थिक गतिविधियां रेस्तरा, होटल, होमस्टे के इंफ्रास्टेक्चर की व्यवस्था कर रहे है। केन्द्रीय वन मंत्री भूपेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि कूनों में चीतें छोडकर भारत में बहुआयामी उदाहरण प्रस्तुत किया है, पहले चरण में अफ्रीका के नामिबीया से लाये गये चीते छोडे गये थे, चीता प्रोजेक्ट के दूसरे भाग में आज महा शिवरात्री पर दक्षिण अफ्रीका से लाये गये 12 चीते छोडकर चीता प्रोजेक्ट का दूसरा भाग शुरू हुआ है। नामिबीया आये चीते बडे बाडे में पूरी तरह से स्वस्थ है, इसके लिए फॉरेस्ट वैज्ञानिक, अफसरो सहित सभी ने मिलकर पहले भाग को पूरा किया है। केन्द्रीय वन मंत्री यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार यहां साढे चार सौ से आकर चीता मित्र बनाकर इस परियोजना को आगे बढाया गया है, पेड काटने वाले लोगों ने कुल्हाडी छोडकर वन बचाने का संकल्प लिया है, इससे पर्यावरण बचेगा, हम आज कूनों में स्वसहायता के प्रोजेक्ट देखने को मिले, यहां की टीम ने चीता प्रोजेक्ट के अनुशासन का पालन किया है, वे सभी धन्यवाद के पात्र है। उन्होने वायुसेना के वॉलेटियर अफसरो के प्रति भी आभार व्यक्त किया, जो पर्यावरण के विजन में पूरा सहयोग कर रहे है। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि बडे की प्रशंसा का विषय है कि पिछले सितंबर माह में हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कूनों नेशनल पार्क में चीते छोडकर अपना जन्मदिवस मनाया था, आज यहां सभी 8 चीते स्वतंत्र रूप से जीवन जी रहे है, जो हमारे लिए बहुत ही उपयोगी एवं प्रशसा की बात है। केन्द्रीय मंत्री तोमर ने कहा कि हर साल कूनो सेंचुरी में 12 चीते आयेगे, जो एशिया में भारत का कूनों आकर्षण का केन्द्र बनेगा। मुख्यमंत्री चौहान ने कूनों नेशनल पार्क में चीता रिलीज कार्यक्रम से पूर्व चीता इंक्लोजर का भ्रमण भी किया। दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतो को ग्लोब मास्टर सी-17 वायुयान से रक्षा मंत्रालय ग्वालियर के हवाई अड्डे लाया गया, ततपश्चात् वायुसेना के 4 चिनूक हेलीकॉप्टर से चीते कूनो नेशनल पार्क लाये गये।

कूनों पहुचें शिवराज ने चीता मित्रों से किया संवाद, महिलाओं ने भेंट की जडीबूटी की राखी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कूनो नेशनल पार्क में चीता मित्रों से संवाद करते हुए कहा कि ग्रामीणों की प्रसन्नता बता रही है कि चीता आने से लोग उत्साहित है, चीता आने से इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढेगें। इस दौरान केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह यादव, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, मध्यप्रदेश के वन मंत्री डॉ कुंवर विजय शाह भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान द्वारा कूनों नेशनल पार्क में चीता रिलीज कार्यक्रम से पूर्व संवाद मित्रो के अलावा श्योपुर में आयोजित विकास यात्रा के दौरान चीतों एवं वन्य जीवों तथा वन एवं पर्यावरण की सुरक्षा का संकल्प लेते हुए प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष कुल्हाडी एवं तीर-कमान समर्पित करने वाले ग्रामीणों के प्रतिनिधि मंडल एवं स्वसहायता समूह की महिलाओं से भी चर्चा की।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने चीता मित्रो से संवाद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को चीतो की सौगात मध्यप्रदेश के कूनों से दी है। इस दौरान उन्होने चीतो की सुरक्षा के लिए चीता मित्रो द्वारा चलाये जा रहे जागरूकता अभियान के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि कूनों में चीतो को लेकर श्योपुर क्षेत्र के लोग उत्साहित है। उन्होंने कहा कि जब साशा चीता के अस्वस्थ होने पर कराहल की जनता द्वारा उसके स्वास्थ्य में सुधार के लिए भगवान से पूजा अर्चना एवं भजन कीर्तन किये जाने की खबर बताती है कि लोग इन चीतो से कितना प्रेम करते है। संवाद के दौरान चीता मित्र कराहल निवासी चेतन भारद्वाज द्वारा चीतो पर आधारित कविता एवं श्योपुरगान भी मुख्यमंत्री श्री चौहान को सुनाया गया,

जिसकी मुख्यमंत्री चौहान द्वारा प्रंशसा की गई। चीता मित्र श्री भारद्वाज द्वारा इस अवसर पर कूनो नदी के गोल पत्थर पर बनाई गई चीता पेटिंग भेंट की गई। इसके अलावा ग्राम चपरेट निवासी चीता मित्र सुश्री रानी आदिवासी ने भी मुख्यमंत्री श्री चौहान को चीतो की सुरक्षा के प्रति जागरूकता के लिए आसपास के गांव में चलाये जा रहे वातावरण निर्माण कार्यक्रम के बारे में अवगत कराया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा कूनो नेशनल पार्क के विश्राम गृह परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कुल्हाडी एवं तीर-कमान त्यागकर जंगल, वन्य जीव बचाने का संकल्प लेने वाले ग्रामीणों के प्रतिनिधि मंडल से चर्चा कर उनके इस निर्णय की प्रशंसा करते हुए पर्यावरण बचाने की दिशा में लिये गये संकल्प के लिए बधाई दी। इस दौरान उन्होंने ग्राम कराहल निवासी संजय आदिवासी, संतोष आदिवासी, बृजेश आदिवासी, अनिल आदिवासी, रामू आदिवासी, रामनिवास आदिवासी, राजाराम अकोरिया बरगवा, बृजेश गोदलिया बरगवा से चर्चा की। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा गत 17 सितंबर 2022 को नामिबीया से लाये गये चीतों के कूनो नेशनल पार्क में प्रतिस्थापन के बाद पूरे क्षेत्र में वन्य जीव, वन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में चेतना जागृत हुई है, हाल ही में दक्षिण अफ्रीका से 12 चीते लाये जाने एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा इन चीतो को कूनो नेशनल पार्क में चीता रिलीज करने की खबर से लोगों में और उत्साह का संचार हुआ है और विकास यात्रा के दौरान प्रशासन के समक्ष बडी संख्या में लोगों ने कुल्हाडी एवं तीर-कमान समर्पित करते हुए वन्य जीव संरक्षण तथा जंगल बचाने व पर्यावरण के लिए वृक्ष लगाने की शपथ ली गई। आज जब मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जब कूनों ने चीता रिलीज कार्यक्रम में आये तो शपथ लेने वाले ग्रामीणों की ओर से प्रतिनिधि मंडल द्वारा उनसे भेंट की गई एवं चीता प्रोजेक्ट के लिए कूनो नेशनल पार्क को चुने जाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के प्रति आभार जताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रदर्शनी के माध्यम से विकास यात्रा के दौरान ली गई, शपथ तथा विभिन्न सामाजिक मुद्दो पर लिये गये संकल्पों से संबंधित फोटोग्राफर्स, पेपर कतरन एवं जमा किये गये कुल्हाडी, तीर-कमान आदि का अवलोकन किया गया।

बजरंग भक्त मंडल ने फलाहारी भोजन करवा कर मनाया शिवरात्रि पर्व

ग्वालियर। बजरंग भक्त मण्डल रजि. ग्वालियर द्वारा विगत कुछ बर्षो से नारायण वृद्ध आश्रम, लक्ष्मीगंज, लश्कर मे शिवरात्रि पर्व वृद्धजनो को अपने हाथो से फलाहारी भोजन करवा कर मनाया जाता है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी गौसेवा एवं सामाजिक कार्यो से जुडी ग्वालियर की संस्था बजरंग भक्त मण्डल द्वारा नारायण वृद्धाश्रम मे निवासरत असहाय एवं निराश्रित करीब 35 वृद्ध एवं खुला आश्रम मे रहने वाले

करीब 15 बच्चों एवं आश्रम में कार्यरत लोगो को फलाहारी भोजन करवा कर महाशिवरात्रि का पर्व मण्डल के सदस्यों एंव दान दाताओं के सहयोग से मनाया गया। भोजन प्रारम्भ करने से पूर्व बृद्धाश्रम के बृद्धजनो द्वारा बजरंग भक्त मंडल को आशीर्वाद दिया कि वे सदैव ऐसे ही सेवा में लगे रहें एवं उन्नति करें। भोजन करते हुए वृद्धजनों के चेहरे पर जो खुसी थी वो अद्भुत थी जिसे देखकर मंडल का प्रत्येक सदस्य के चेहरे पर एक श्रद्धा के भाव थे जो उनकी सेवा को प्रदर्शित कर रहे थे। भोजन करवाने के उपरांत मंडल के सदस्यो द्वारा भूतभावन भगवान भोलेनाथ की प्रसादी एवं ठंडाई ग्रहण की गई। आयोजन के लिये मंडल के अध्यक्ष आशीष मंगल ने सभी का आभार व्यक्त किया। आयोजन में अध्यक्ष आशीष मंगल, सचिव राकेश मंगल, उपाध्यक्ष अमन गर्ग, संयुक्त सचिव जितेंद्र चंदेल, नमन अवस्थी, विजय बंसल, अभिमन्यु सिंह चौहान, भूपेंद्र सासोड़े, कौशल अग्रवाल, पवन गोयल, रामकिशोर मंगल, सतीश शर्मा एवं अन्य सदस्य मोजूद थे।

शिवलिंग पर धतूरा चढ़ाना अर्थात अपने अंदर के विषय विकारों को त्यागना: ब्रह्माकुमारी आदर्श दीदी

ग्वालियर । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय प्रभु उपहार भवन माधौगंज सेंटर पर 87वीं शिवजयंती के उपलक्ष्य में शिव ध्वजारोहण का कार्यक्रम हुआ इसके साथ ही कार्यक्रम की शुरुवात दीपप्रज्वलन के साथ की गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजीव गुप्ता (मुख्य अभियंता, ग्वालियर संभाग, एम.पी.ईबी.), आशीष प्रताप सिंह (प्रदेश कार्य समिति सदस्य भा.ज.पा.), श्रीमती विनीता गुप्ता (प्रिंसिपल शासकीय विद्यालय), ब्रह्माकुमारिड़ लश्कर ग्वालियर की मुख्य संचालिका बी.के. आदर्श दीदी, बी.के. ज्योति दीदी, बी.के. डॉ. गुरुचरण भाई और बी.के.प्रहलाद भाई उपस्थित रहे। कार्यक्रम के शुभारम्भ में बी.के. प्रहलाद ने सभी का स्वागत अभिनन्दन किया तत्पश्चात संस्थान से जुड़े श्रेष्ठा, दृष्टी, हर्षिता, संकल्प आदि बाल कलाकारों ने शिव महिमा की नृत्य के माध्यम से प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में राजीव गुप्ता ने सभी को आज के दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सबसे पहले तो मैं सभी का धन्यवाद करना चाहता हूँ की मुझे इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया और शिवरात्रि को संस्थान के द्वारा इतने धूमधाम से मनाया जा रहा है यह मनमोहक वातावरण देखने का अवसर मिला। शुभारंभ में ब्रह्माकुमारी आदर्श दीदी जी ने पावन पर्व महाशिवरात्रि (शिवजयंती) की हार्दिक शुभकामनाएं सभी को दी। और शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि शिवरात्रि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की अंतिम रात्रि (अमावस्या) से एक दिन पहले मनाई जाती है। अर्थात परमपिता परमात्मा शिव का अवतरण इस लोक में कलयुग के पूर्वान्त से कुछ ही वर्ष पहले हुआ था जबकि सारी सृष्टि अज्ञान अंधकार में थी। इसलिए शिव का संबंध रात्रि से जोड़ा जाता है और परमात्मा शिव की रात्रि में पूजा को अधिक महत्व दिया जाता है। शिवलिंग पर बेल पत्र वा अक, धतूरा चढ़ाना अर्थात अपने अंदर के विषय विकारों को त्यागने का प्रतीक है। शिवभक्त शिवरात्रि पर उपवास भी रखते हैं। वास्तव में सच्चा व्रत क्रोध, मोह आदि विकारों का मन से व्रत करना है। उपवास का अर्थ है परमात्मा के पास वास करना अर्थात मन से शिव की याद करना है। भक्त लोग शिवरात्रि के अवसर पर सारी रात जागरण करते हैं, अन्न का त्याग करते हैं, जिससे भगवान शिव प्रसन्न हो। परंतु मनुष्यात्मा को तमोगुण में सुलाने वाली तो माया अर्थात विकार हैं। जब तक मनुष्य इन विकारों का त्याग नहीं करता, तब तक उसकी आत्मा का सच्चा जागरण नही हो सकता। अतः रात्रि जागरण के साथ साथ बुराई,

विकारो को भी त्यागे का संकल्प लेना चाहिए। आध्यात्मिक दृष्टि से हम सभी का अनादि अविनाशी संबंध परमात्मा से है। इसलिए शिव जयंती अथवा शिरात्रि के उत्सव को बडे ही धूमधाम से सभी को मनाना चाहिए। वर्तमान समय परमात्मा के कर्तव्यों का चल रहा है, परमात्मा पिता को यथार्थ रूप से पहचानें और उनसे अपना बुद्धि योग लगाकर स्वयं को धन्य धन्य अनुभव करें। इसी समय के लिए कहा गया है कि ÷अभी नहीं तो कभी नहीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आशीष प्रताप सिंह ने बताया कि यह मेरा परम सौभाग्य है की आज शिवरात्रि के पावन पर्व पर मुझे यहाँ आने का अवसर मिला यहाँ एक अलग ही उमंग उत्साह का अनुभव हो रहा है। यहाँ का वातावरण ऐसा है जो सिर्फ आप अनुभव कर सकते हैं क्योंकि आते ही सुखद और सकारात्मकता की अनुभूति महसूस होने लगती हैं। तो आज इस अवसर पर मैं यहाँ बैठे हर एक व्यक्ति को दो बातें कहना चाहूँगा पहली तो यह की वृक्ष भी हमारे देवता हैं इसलिए ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगा कर हमारे पर्यावरण को बचाएँ और दूसरी चीड़ पशु और पक्षी बेजुबान हैं उनकी भी रक्षा रखें उनको भी सहयोग दें। आगे श्रीमती विनीता गुप्ता ने सभी को बताया कि मुझे आज ब्रह्माकुमारीड़ संस्था में आकर बहुत ही अच्छा अनुभव हो रहा है और आगे भी मेरा प्रयास रहेगा की मैं इस संस्था से जुड़ी रहूँ इसी के साथ उन्होंने कहा कि शिव की महिमा का तो सभी को ज्ञात है। उनका नाम लेते ही हम सभी की आधी समस्या तो ऐसे ही समाप्त हो जाती है। अतः उनकी महिमा से ही यह संसार चल रहा है वह हमें हमेशा यह शिक्षा देते हैं कि स्वयं की मदद के साथ साथ दूसरों के भी मददगार बनें। माधवगंज केंद्र पर श्रद्धालु अनेकानेक जगहों से शिव की बारात निकालकर पहुंचें। संचालन ब्रह्माकुमार डॉ. गुरचरण भाई तथा आभार बी.के. ज्योति दीदी ने किया। कार्यक्रम में संस्थान से जुड़े सैकड़ों श्रद्धालु एवं शहर से अनेकानेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478